आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 265 | उज्जैन, गुरुवार 14 अगस्त 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

लोकसेवक ही शासन की लोक कल्याण और विकास की भावना को धरातल पर क्रियान्वित करने का हैं माध्यम-मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री से वर्ष 2020 और 2021 बैच के उप जिलाध्यक्षों ने की सौजन्य भेंट

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि लोकसेवक ही शासन की लोक कल्याण और विकास की भावना को धरातल पर क्रियान्वित करने का माध्यम है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के विजन में सुशासन की महत्वपूर्ण भूमिका है। जनकल्याण और लोगों की उन्नति के उद्देश्य से बनी योजना और कार्यक्रमों का लाभ अंतिम छोर पर खड़े अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, यह सुनिश्चित करना ही लोकसेवक का अपने कर्तव्य के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोक सेवा परीक्षा में चयनित अधिकारी, निर्भीक, निःस्वार्थ, निरामय और कर्तव्यनिष्ठ होकर अपने दायित्वों का निर्वहन करें यही अपेक्षा है। साथ ही अधिकारी नवाचारों के माध्यम से व्यवस्था को अधिक प्रभावी भी बनाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को वर्ष 2020 और 2021 बैच के उप जिलाध्यक्षों को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव से प्रशासन अकादमी भोपाल में परिचयात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे 27 प्रशिक्षु अधिकारी सौजन्य भेंट के लिए मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन पहुंचे।

विनम्रता और सेवाभाव ही लोक सेवा का हो आधार-

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रशिक्षु अधिकारियों को अध्ययनशील बने रहने, सदैव सीखने की प्रक्रिया में रहने, अहंकार न करने और आचरण में सदैव मानवीय मूल्यों का समावेश बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विनम्रता और सेवाभाव ही लोकसेवा का आधार हो। अधिकारी अपने व्यवहार और व्यक्तित्व के आधार पर ही जनसामान्य में अपनी अमिट छाप छोड़ सकते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रशिक्षु अधिकारियों से उनके पारिवारिक पृष्ठभूमि, अध्ययन क्षेत्र और रूचियों आदि पर भी चर्चा की।

संसद पहुंचा इस नेशनल हाईवे के धंसने का मामला, कमेटी ने पेश की रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानसून की एंट्री के बाद केरल में मूसलाधार बारिश के चलते राष्ट्रीय राजमार्ग 66 धंस गया था। इस घटना से पूरे देश में हड़कंप मच गया था। वहीं, अब लोक लेखा समिति ने इससे जुड़े कुछ आंकड़े संसद में पेश किए हैं।

लोक लेखा कमेटी की रिपोर्ट के अनुसार, हाईवे के पुनर्निर्माण का काम स्वीकृत लागत से आधी कीमत पर दिया गया है।

कमेटी की रिपोर्ट- रिपोर्ट के अनुसार, मल्लापुरम, कन्नूर और कासरगोड में चौड़ीकरण का काम स्वीकृत लगात से 54 प्रतिशत पर दिया गया है। वहीं, कदम्बट्टुकोणम और कझाकुट्टम के बीच पुनर्निर्माण का काम 22 प्रतिशत पर दिया गया है। कमेटी ने सड़क परिवहन एंव राजमार्ग का हवाला देते हुए कहा कि सड़क से जुड़े प्रोजेक्ट सब कॉन्ट्रैक्टर्स को दिए जा रहे थे, जिनकी जवाबदेही न के बराबर थी।

क्या है वजह- लोक लेखा कमेटी ने संसद में बताया कि अस्थायी मिट्टी पर बने कई हाईवे पर ऊंचे तटबंध नहीं बनाए गए हैं। वहीं, भूमि अधिग्रहण से जुड़ी चुनौतियों के कारण हाईवे का निर्माण सही तरह से नहीं हो सका, जिससे असुरक्षा की स्थिति बनी हुई है।

ट्रंप टैरिफ वार के बीच रूस जाएंगे जयशंकर, NSA डोभाल के बाद दूसरा हाई लेवल दौरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस के तेल खरीदने को लेकर अमेरिका से ट्रेड वार के बीच विदेश मंत्री एस. जयशंकर रूस के दौरे पर जाएंगे। हाल ही में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने भी रूस का दौरा किया था और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी।

रुस के विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए कहा, 21 अगस्त को रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव मॉस्को में विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर के साथ बातचीत करेंगे। दोनों मंत्री हमारे द्विपक्षीय एजेंडे के प्रमुख मुद्दों के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय ढांचे के भीतर सहयोग के प्रमुख पहलुओं पर चर्चा करेंगे।

पिछले हफ्ते ही दो दिन के दौरे पर अजित डोभाल गए थे रूस- एनएसए अजित डोभाल भी पिछले हफ्ते दो दिनो के दौरे पर रूस गए थे। इस दौरान उन्होंने व्लादिमीर पुतिन से भी मुलाकात की थी। इसके अलावा उन्होंने रूस के सुरक्षा परिषद के सचिव सर्गेई शोइगु से भी मुलाकात कर द्विपक्षीय बातचीत की। इस वार्ता के दौरान ऊर्जा और रक्षा संबंधों पर चर्चा की गई। इसके अलावा डोभाल ने इस बात की पुष्टि भी की व्लादिमीर पुतिन साल के अंत तक भारत का दौरा करेंगे।

सागर धनखड़ हत्याकांडः रेसलर सुशील कुमार की फिर बढ़ी मुश्किलें, SC ने कहा- एक हफ्ते में सरेंडर करो

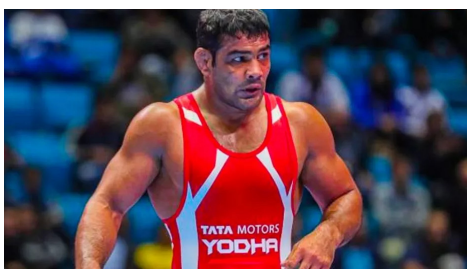

नई दिल्ली (एजेंसी)। जूनियर रेसलर सागर धनखड़ मर्डर केस में ओलंपिक पदक विजेता सुशील कुमार की मुश्किलें फिर से बढ़ गई हैं। सुप्रीम कोर्ट ने छत्रसाल स्टेडियम में हुई हत्या के मामले में सुशील कुमार की जमानत रद कर दी है।

जस्टिस संजय करोल और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने पहलवान को जमानत देने संबंधी दिल्ली हाई कोर्ट के 4 मार्च के आदेश को रद्द कर दिया है। साथ ही सुशील कुमार को एक हफ्ते में सरेंडर करने का आदेश दिया है।

सुशील कुमार पर है हमले का आरोप- पहलवान सुशील कुमार सहित तीन लोगों पर कथित संपत्ति विवाद को लेकर सागर धनखड़ पर जानलेवा हमला करने का आरोप है। इस हमले में धनखड़ के दो दोस्त भी घायल हुए थे। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के मुताबिक, सागर धनखड़ के सिर पर किसी भारी वस्तु के हमले के चोट लगी थी।

सागर धनखड़ के पिता की अपील पर जमानत रद

पहलवान सुशील कुमार मामले में शिकायतकर्ता की वकील जोशीनी तुली ने बताया कि आज सुशील कुमार को दी गई जमानत एक त्रुटिपूर्ण आदेश होने के कारण रद कर दी गई और इसीलिए पीड़ितों के पिता अशोक धनखड़ की अपील पर आज हाईकोर्ट के आदेश को रद्द कर दिया गया है।

हाईकोर्ट का आदेश त्रुटिपूर्ण था- जोशीनी तुली- उन्होंने बताया कि हमने उस आदेश को इस आधार पर चुनौती दी थी कि वह एक त्रुटिपूर्ण आदेश था। यह कानूनन सही नहीं था क्योंकि सुशील कुमार ने जब भी अंतरिम जमानत दी थी, तब गवाहों से छेड़छाड़ की थी, और मुख्य गवाह ने मामले का समर्थन किया था।

मुंबई में दर्दनाक हादसा, कार और बस के बीच फंसकर बुजुर्ग महिला की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते दिन मुंबई में एक 75 वर्षीय महिला की कार और बस के बीच में फंसकर मौत हो गई। महिला योगा क्लास से वापस लौट रही थी, तभी बेस्ट की इलेक्ट्रिक बस ने महिला को रौंद दिया। महिला ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

यह घटना दक्षिणी मुंबई के मालाबार हिल की है। मंगलवार की सुबह लगभग 9-10 बजे महिला योगा क्लास से लौट रही थी। रास्ते में ही वो हादसे का शिकार हो गई।

कैसे हुआ हादसा- महिला सरकारी सह्याद्री गेस्ट हाउस के पास पहुंची थी। तभी कमला नेहरू पार्क की तरफ जा रही मुंबई सेंट्रल डिपो की बस मौके पर पहुंची। बस को आता देखकर महिला कार के पास खड़ी हो गई। इसी दौरान बस ड्राइवर ने कार के इतने करीब से बस निकाली कि महिला कार और बस के बीच में पिस गई। मृतक महिला की पहचान 75 वर्षीय नीता नितिन शाह के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, हादसे से पहले नीता के पैर में बस के बाएं पहिए से टक्कर लगी और वो कार-बस के बीच में फंस गईं। स्थानीय लोगों ने नीता को जेजे अस्पताल पहुंचाया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

पुलिस ने बस ड्राइवर को हिरासत में लेकर केस दर्ज कर लिया है। ड्राइवर का कहना है कि उसे महिला की मौजूदगी का बिल्कुल पता नहीं चला। महिला के चिल्लाने की आवाज सुनकर उसने बस रोकी और नीचे उतरा तो देखा महिला बुरी तरह से घायल थी। हालांकि, अस्पताल ले जाने से पहले ही उसने दम तोड़ दिया।

पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना से पूछताछ जारी, अवैध सट्टेबाजी एप में आया नाम

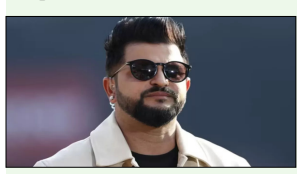

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष एक कथित अवैध सट्टेबाजी ऐप से जुड़े धन शोधन मामले में पूछताछ के लिए पेश हुए।

सूत्रों ने बताया कि ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत उनका बयान दर्ज करेगी क्योंकि यह जांच 1xBet नामक एक अवैध सट्टेबाजी ऐप से जुड़ी है।ऐसा माना जा रहा है कि 38 वर्षीय पूर्व भारतीय क्रिकेटर कुछ विज्ञापनों के माध्यम से इस ऐप से जुड़े हुए हैं। ईडी पूछताछ के दौरान इस ऐप से उनके संबंधों को समझना चाहता है।

जिस अंतरराष्ट्रीय कोर्ट के फैसले पर इतरा रहा था पाकिस्तान, भारत उस अदालत को नहीं देता मान्यता

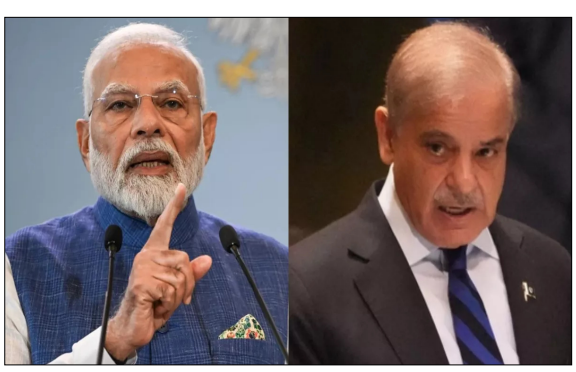

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय न्यायालय स्थायी मध्यस्थता अदालत के फैसले का स्वागत किया है। इसमें भारत की ओर से पश्चिमी नदियों (चिनाब, झेलम और सिंधु) पर बनाए जाने वाले नए रन-ऑफ-रिवर जलविद्युत परियोजनाओं के डिजाइन मानदंडों की व्याख्या की गई है। हालांकि भारत इस अदालत के फैसले को मानता ही नहीं है और न ही इसे कभी मान्यता दी है।

पाकिस्तान का कहना है कि यह फैसला सिंधु जल संधि पर उसके रुख को सही ठहराता है, जिसे भारत ने पहलगाम हमले के बाद निलंबित कर दिया था।

दूसरी ओर, भारत ने इस फैसले को देने वाली स्थायी मध्यस्थता अदालत को कभी मान्यता नहीं दी और उसने हमेशा तटस्थ विशेषज्ञ तंत्र (न्यूट्रल एक्सपर्ट मैकेनिज्म) पर जोर दिया है।

अदालत ने अपने फैसले में कहा कि भारत को पश्चिमी नदियों के पानी को पाकिस्तान के लिए निर्बाध रूप से बहने देना होगा।

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को बयान जारी कर कहा, जलविद्युत संयंत्रों के लिए संधि में दी गई छूट को सख्ती से मानना होगा, न कि भारत के आदर्श या सर्वोत्तम प्रथाओं के दृष्टिकोण के अनुसार।

भारत क्या कहता है- भारत की ओर से इस मामले में बुधवार को जवाब आने की उम्मीद है। हालांकि टाइम्स ऑफ इंडिया ने सूत्रों के हवाले से कहा है कि भारत ने पहले ही सिंधु जल संधि में संशोधन की अधिसूचना जारी की थी, खासकर जम्मू-कश्मीर में किशनगंगा और रतले परियोजनाओं को लेकर लंबे समय से चले आ रहे विवादों के बीच ये कदम उठाया गया था।

भारत ने विश्व बैंक के उस फैसले को कभी स्वीकार नहीं किया। इस फैसले में एक ही मुद्दे पर तटस्थ विशेषज्ञ तंत्र और पाकिस्तान के आग्रह पर मध्यस्थता अदालत को एक साथ सक्रिय करने का निर्णय लिया गया था। यही वजह है कि भारत ने संधि के विवाद समाधान प्रक्रिया पर पुनर्विचार की मांग की थी।

पाकिस्तान का कहना है कि अदालत का यह फैसला उसकी चिंताओं को मजबूती देता है और भारत को संधि के नियमों का पालन करने के लिए बाध्य करता है। दूसरी ओर, भारत का मानना है कि संधि के कुछ प्रावधान आज के समय में व्यवहारिक नहीं हैं और इसे बदलने की जरूरत है।

आलीशान कोठी, पत्नी की मूर्ति और अंडरग्राउंड बंकर..., पड़ोसियों के लिए क्यों मुसीबत बना मार्क जुकरबर्ग का घर?

नई दिल्ली (एजेंसी)। फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप जैसी दिग्गज टेक कंपनियों के मालिक मार्क जुकरबर्ग को भला कौन नहीं जानता। हालांकि, इस बार मार्क गलत वजहों से चर्चा में हैं। मार्क जुकरबर्ग के पड़ोसी उनसे परेशान हैं, जिसकी वजह उनका घर है।

अमेरिका के पालो ऑल्टो स्थित क्रीसेंट पार्क में मार्क जुकरबर्ग की आलीशान कोठी है। यहां उन्होंने 110 मिलियन (900 करोड़ रुपये से अधिक) की संपत्ति बना ली है। मगर, अब मार्क जुकरबर्ग अपने पड़ोसियों के लिए सिर दर्द बन गए हैं।

14 साल में 11 घर खरीदे- न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, मार्क जुकरबर्ग 14 साल पहले यहां शिफ्ट हुए थे। पिछले 14 सालों में उन्होंने पूरी सोसाइटी के 11 घर खरीद लिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि मार्क के यहां आने से सोसाइटी की शांति भंग हो गई है। सोसाइटी में कोई भी घर उपलब्ध नहीं है।

लंबे समय से मार्क की सोसाइटी में रहने वाले माइकल कहते हैं- किसी भी पड़ोसी को कब्जा अच्छा नहीं लगता है। लेकिन मार्क पिछले काफी समय से यही कर रहे हैं।

कैसा है मार्क जुकरबर्ग का घर- न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, मार्क अपनी पत्नी प्रिसकिल्ला चान और तीन बेटियों के साथ 14 साल से इसी सोसाइटी में रह रहे हैं। 11 घरों में से 5 घरों को मार्क ने एक विशाल परिसर में तब्दील कर दिया है। इसके अलावा मुख्य घर में वो खुद रहते हैं, जिससे सटा हुआ एक गेस्ट हाउस भी है। इसके अलावा उनके घर में गार्डन, स्वीमिंग पूल, पिकलबॉल कोर्ट, उनकी पत्नी चान का 7 फिट की मूर्ति और पड़ोस पर नजर रखने के लिए सर्विलांस सिस्टम मौजूद है।

पड़ोसियों की परेशानी बढ़ी- पड़ोसियों का दावा है कि मार्क जुकरबर्ग के घर में 7,000 स्क्वायर फिट की अंडरग्राउंड जगह है, जिसे वो बंकर या चमगादड़ की गुफा करार देते हैं। उनके घर से लगातार भारी उपकरणों की तेज आवाजें आती हैं। गाड़ियों की आवाजाही से सोसाइटी में ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी रहती है।

ट्रेड डील पर भारत झुकेगा नहीं, ट्रंप के मंत्री ने भी माना; कहा- उनका रवैया थोड़ा अड़ियल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार औ टैरिफ की तल्खी के बीच अब ट्रंप प्रशासन ने मान लिया है कि भारत किसी देश के दवाब में आकर फैसले लेना वाला देश नहीं है।

अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेन्ट ने भारत रुख से परेशान होकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भारत अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता में थोड़ा अड़ियल रवैया दिखा रहा है।

अमेरिका के इस बयान से साफ है कि भारतीय कूटनीति के आगे ट्रंप सरकार की चतुराई फीकी पड़ गई है। स्कॉट बेसेन्ट ने ये जवाब तब दिया जब उनके भारत और अमेरिका के बीच होने वाली ट्रेड डील को लेकर सवाल पूछा गया।

उन्होंने कहा, यह थोड़ा मुश्किल लक्ष्य है। लेकिन हम अच्छे पोजिशन में हैं। जिन बड़े व्यापारिक सौदों पर अभी सहमति नहीं बनी, उनमें स्विट्जरलैंड और भारत शामिल हैं। भारत थोड़ा अड़ियल रहा है।

उन्होंने आगे बताया कि अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर और वकीलों की टीमें इन सौदों को अंतिम रूप देने में जुटी हैं।

भारत और अमेरिकी के बीच बातचीत जारी- अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। इसमें से 25 फीसदी टैरिफ भारत के रूस से तेल खरीदने के कारण लगाया गया है। यह टैरिफ 27 अगस्त से लागू होगा।

टेक्सस में यूनियन पैसिफिक ट्रेन के 35 डिब्बे पटरी से उतरे, कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के टेक्सस शहर के पास ट्रेन एक ट्रेन हादसा हो गया, यहां यूनियन पैसिफिक ट्रेन के 35 डिब्बे अचानक पटरी से उतर गए। गनीमत रही कि हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार दोपहर टेक्सास के एक छोटे से शहर के पास यूनियन पैसिफिक ट्रेन के 35 डिब्बे पटरी से उतर गए।

यूनियन पैसिफिक की प्रवक्ता रॉबिन टायस्वर ने बताया कि मंगलवार दोपहर की इस दुर्घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। टायस्वर ने बताया कि यह दुर्घटना दोपहर लगभग 2 बजे गॉर्डन शहर के पूर्व में हुई।

गॉर्डन, फोर्ट वर्थ से लगभग 100 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित है।

टेक्सस में ट्रेन के 35 डिब्बे पटरी से उतरे- मीडिया में आई तस्वीरों में रेलवे ट्रैक पर कई ट्रेन के डिब्बे एक-दूसरे के ऊपर चढ़े हुए दिखाई दे रहे हैं। पटरी से उतरने वाली जगह के पास घास में आग और धुआं देखा गया। इमरजेंसी सर्विस डिपार्टमेंट की ओर से जारी बयान में कहा गया कि हादसे को गंभीरता से लिया जा रहा है, लेकिन तुरंत यह पता नहीं चल पाया है कि पटरी से उतरे ट्रेन के डिब्बों में क्या था।

अमेरिका में फिर हिंदू मंदिर पर हमला, अब जन्माष्टमी से पहले स्वामीनारायण टेंपल को बनाया निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में हिंदू मंदिरों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। ताजा घटनाक्रम में इस हफ्ते की शुरुआत में इंडियाना में एक हिंदू मंदिर को क्षतिग्रस्त कर दिया गया। यह घटना 10 अगस्त को ग्रीनवुड सिटी स्थित बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर में हुई। शिकागो स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने इस घटना पर कड़ा संज्ञान लेते हुए इसे निंदनीय बताया। एक बयान में वाणिज्य दूतावास ने कहा कि मंदिर के मुख्य साइनबोर्ड को विकृत कर दिया गया है और मंदिर क्षेत्र में उपद्रवियों के खिलाफ सतर्कता बरतने का आह्वान किया गया है।

लिखे गए भारत और हिंदू विरोधी स्लोगन - एक्स पोस्ट में कहा गया है, ग्रीनवुड, इंडियाना में बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर के मुख्य साइनबोर्ड का अपमान निंदनीय है। साथ ही कहा गया है कि उसने शीघ्र कार्रवाई के लिए कानून प्रवर्तन अधिकारियों के समक्ष मामला उठाया है। मंदिर परिसर की दीवारों पर भारत और हिंदू विरोधी स्लोगन भी लिखे गए।

एक साल के भीतर चौथा हमला- एक साल से भी कम समय के अंदर ये चौथी बार है जब किसी मंदिर पर हमला किया गया हो।

शेल्टर या जेल? वाशिंगटन की सड़कों पर रह रहे लोगों को ट्रंप ने दिया अल्टीमेटम, बेघरों की मुश्किलें बढ़ीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वाशिंगटन डीसी को अपराध मुक्त बनाने का संकल्प लिया है। इसी कड़ी में पहले ट्रंप ने 800 से ज्यादा नेशनल गार्ड्स तैनात करते हुए राजधानी की कमान अपने हाथों में ले ली। वहीं, अब वाशिंगटन डीसी में बेघर लोगों के लिए व्हाइट हाउस ने सड़कें खाली करने का फरमान जारी किया है।

व्हाइट हाउस ने मंगलवार को नोटिस जारी करते हुए कहा कि सड़कों पर रहे लोग अगर शेल्टर होम में नहीं गए, तो उन्हें जेल में डाल दिया जाएगा। ट्रंप के इस आदेश के बाद कई बेघर लोगों की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं।

व्हाइट हाउस ने दी वॉर्निंग- व्हाइट हाउस की प्रवक्ता कैरोलिन लेविट ने इस बारे में जानकारी देते हुए कहा, बेघर लोगों के पास विकल्प है कि वो आश्रय स्थलों में जा सकते हैं। वहां उन्हें मानसिक स्वास्थ्य समेत सभी सुविधाओं का लाभ दिया मिलेगा। हालांकि, अगर उन्होंने शेल्टर होम में पनाह लेने से इनकार किया तो उनपर जुर्माना लगेगा या उन्हें जेल में भी डाला जा सकता है।

पुलिस ने पार्क खाली कराए- लेविट के अनुसार, बेघर लोगों के लिए वाशिंगटन डीसी से दूर शेल्टर होम बनाए जाएंगे। अमेरिकी पुलिस पहले ही 70 लोगों को पार्कों से बाहर कर चुकी है। बाकी लोगों को इस हफ्ते के आखिर तक शेल्टर होम में भेजने की कवायद जारी है।

ट्रंप ने दी थी चेतावनी- अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी सोशल मीडिया पर चेतावनी देते हुए कहा था कि इससे पहले वो कोई सख्त कदम उठाएं बेघर लोगों को वाशिंगटन छोड़कर चले जाना चाहिए।

कब्जे की जमीन अदला-बदली कर लो, ट्रंप का पुतिन-जेलेंस्की को प्रस्ताव; आखिर रूस के पास यूक्रेन की कितनी जमीन है?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन और रूस के बीच जंग खत्म करने के लिए एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों को अपनी-अपनी जमीन का कुछ हिस्सा छोड़ना होगा। लेकिन सवाल ये उठता है कि रूस ने यूक्रेन की कितनी जमीन पर कब्जा कर रखा है?

रूस ने यूक्रेन के करीब 19त्न हिस्से, यानी लगभग 1,14,500 वर्ग किलोमीटर पर कब्जा कर लिया है। इसमें क्रीमिया, पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी इलाके शामिल हैं। दूसरी तरफ, यूक्रेन का कहना है कि वह अपनी जमीन का एक इंच भी रूस को नहीं देगा।

रूस का दावा है कि क्रीमिया, डोनेत्स्क, लुहांस्क, जपोरिज़िया और खेरसन अब उसके हिस्से हैं। मॉस्को ने इन इलाकों को 1991 में सोवियत संघ के टूटने के बाद यूक्रेन का हिस्सा माना था, लेकिन अब वह इन्हें रूस का हिस्सा बताता है। यूक्रेन ने साफ कहा है कि वह रूस के इस कब्जे को कभी स्वीकार नहीं करेगा। ज्यादातर देश यूक्रेन की 1991 की सीमाओं को ही मान्यता देते हैं। आइए एक-एक कर समझते हैं कि किन इलाकों में किसका दावा है?

क्रीमिया को लेकर रूस लंबे वक्त से करता रहा है दावा- 2014 में रूस ने क्रीमिया पर कब्जा कर लिया, जो काला सागर के किनारे बसा 27,000 वर्ग किलोमीटर का इलाका है। एक विवादित जनमत संग्रह के बाद रूस ने इसे अपने देश में मिला लिया। रूस का कहना है कि क्रीमिया अब उसका हिस्सा है, लेकिन यूक्रेन इसे अपना मानता है।

कुछ यूक्रेनी अधिकारी मानते हैं कि क्रीमिया को वापस लेना आसान नहीं होगा। 18वीं सदी में रूस की महारानी कैथरीन ने क्रीमिया को रूसी साम्राज्य में शामिल किया था।

सिडनी एयरपोर्ट पर गोली चलने से अफरा-तफरी का माहौल, पुलिस अधिकारी से बंदूक छीनने के कोशिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के सबसे व्यस्त रहने वाले एयर पोर्ट पर उस वक्त अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया जब एक पुलिस अधिकारी ने एक शख्स की गिरफ्तारी के दौरान बंदूक के गोली चला दी।

घटना सिडनी एयरपोर्ट की है, जहां एक शख्स ने पुलिस अधिकारी से उसकी बंदूक छीनने की कोशिश की, इसी दौरान पुलिस अधिकारी ने शख्स को गिरफ्तार करने की कोशिश की और गोली चला दी।

सिडनी एयरपोर्ट पर चली गोली- ऑस्ट्रेलियाई फेडरल पुलिस ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि टर्मिनल के अंदर पुलिस की बंदूक से गोली चलाई गई है। पुलिस ने कहा कि स्थानीय रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि उस व्यक्ति द्वारा अधिकारी से बंदूक छीनने की कोशिश के दौरान गोली चलाई गई।

पुलिस अधिकारी से बंदूक छीनने के कोशिश- स्थानीय मीडिया द्वारा जारी फुटेज में एक अधिकारी अपनी राइफल की जांच करता हुआ दिखाई दे रहा है जबकि दो अन्य लोग एक आरोपी शख्स को जमीन पर गिराए हुए हैं। सिडनी रेडियो स्टेशन 2त्नक्की रिपोर्ट के अनुसार, प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कैफेटेरिया को बंद करने से पहले उन्होंने एक तेज धमाके की आवाज सुनी थी। ऑस्ट्रेलियाई फेडरल पुलिस ने कहा कि घटना की जांच शुरू कर दी गई है। घटना स्थल का भी पता लगा लिया गया है। गोली चलने की इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। घटनास्थल पर मौजूद सभी लोग सुरक्षित हैं।

असम में बवाल, भीड़ के हमले में 14 पुलिसकर्मी घायल; वाहनों में तोड़फोड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम के ग्वालपाड़ा जिले में पिछले महीने प्रशासन द्वारा अतिक्रमण को लेकर चलाए गए अभियान के दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस अधिकारियों के बीच हिंसक झड़प हुई थी। पुलिस की गोलीबारी के दौरान एक 19 वर्षीय युवक सकोवर अली की मौत हो गई थी।

वहीं, होजाई जिले में भीड़ द्वारा पुलिस दल पर हमला करने और सुरक्षाकर्मियों के वाहनों में तोड़फोड़ करने के बाद कम से कम 14 पुलिसकर्मी घायल हो गए।

पुलिस ने सात लोगों को किया गिरफ्तार- असम पुलिस के पुलिस महानिरीक्षक (कानून एवं व्यवस्था) अखिलेश सिंह ने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया कि अब तक इस घटना में शामिल सात लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

अखिलेश सिंह ने कहा, ÷कल (12 अगस्त) को एक इंस्पेक्टर स्तर के अधिकारी समेत कम से कम 14 पुलिसकर्मी भीड़ के हमले में घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने एक भारी वाहन और चालक को हिरासत में ले लिया। जब पुलिस की एक टीम चालक को बचाने के लिए मौके पर पहुंची, तो कुछ लोगों की पुलिस टीम से बहस हो गई और उनमें से कुछ ने पुलिसकर्मियों पर हमला कर दिया। कई और लोग इलाके में आ गए और पुलिस वाहनों में तोड़फोड़ की और पुलिसकर्मियों पर हमला किया। इस घटना में 14 पुलिसकर्मी घायल हो गए और तीन पुलिस वाहन क्षतिग्रस्त हो गए।÷बता दें कि गुवाहाटी हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल के कार्यालय को मंगलवार (12 अगस्त, 2025) को सौंपे गए पत्र में सकोवर अली की मां नचिरन बीबी ने गोलीबारी को अकारण और अत्यधिक बताया।

करी पफ में सांप देखकर उड़े महिला के होश, बेकरी मालिक के खिलाफ शिकायत दर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना के महबूबनगर जिले में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, यहां एक महिला ने बेकरी से खरीदे गए करी पफ में सांप मिलने के बाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

श्रीशैल नाम की महिला ने बताया कि उन्होंने जडचर्ला नगरपालिका में बनी एक अयंगर बेकरी से एक अंडा पफ और एक करी पफ खरीदा था। घर लौटने पर, उन्होंने अपने बच्चों के साथ खाने के लिए करी पफ खोला और देखा कि उसमें एक सांप है।

करी पफ में निकला सांप- उन्होंने तुरंत ही बच्चों को करी पफ खाने से रोक दिया और इस गंभीर लापरवाही के लिए बेकरी मालिक के पास पहुंचीं। लेकिन बेकरी मालिक ने कथित तौर मामले को हल्के में लिया और इस लापवाही को लेकर बेतुके तर्क देने लगा।

बेकरी मालिक के खिलाफ शिकायत दर्ज- बेकरी मालिक के बेतुके तर्कों के सुनकर महिला का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। जिसके बाद श्रीशैल और उसका परिवार जडचर्ला पुलिस स्टेशन गया और बेकरी मालिक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। इस घटना ने लोगों को भीतर खाद्य सुरक्षा को लेकर नई चिंता खड़ी कर दी है।

मैंने 2500 कुत्तों को मरवा दिया और..., Stray Dogs पर बहस के बीच MLC का बड़ा दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के विधान परिषद सदस्य एसएल भोजेगौड़ा के बयान ने उनकी मुश्किलें बढ़ा दी हैं। उन्होंने दावा किया कि अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने 2,500 आवारा कुत्तों को मरवा कर पेड़ों के नीचे दफनाया, ताकि वे प्राकृतिक खाद बन सकें।

बता दें एसएल भोजेगौड़ा ने ये बयान दिल्ली-एनसीआर में आवारा कुत्तों को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद दी है। कोर्ट ने आठ हफ्तों में सभी आवारा कुत्तों को पकड़कर शेल्टर में रखने का आदेश दिया है।

भोजेगौड़ा ने यह बात कर्नाटक विधान परिषद में आवारा कुत्तों के मसले पर बहस के दौरान कही। उन्होंने बताया कि जब वे सिटी म्यूनिसिपल काउंसिल के चेयरपर्सन थे, तब 2500 कुत्तों को मारा गया।

कर्नाटक सरकार ने कुत्तों के आतंक पर क्या कहा- कर्नाटक सरकार ने इस मसले पर अपनी लाचारी जाहिर की है। नगर प्रशासन और हज मंत्री रहीम खान ने कहा कि जानवरों के हक में याचिकाएं और दबाव के चलते वे ज्यादा कुछ नहीं कर पा रहे। उन्होंने कहा कि आवारा कुत्तों का मसला गंभीर है, मगर इसका हल निकालना आसान नहीं। इस पर भोजेगौड़ा ने तंज कसते हुए कहा कि जो लोग कुत्तों को हटाने का विरोध करते हैं, उनके घरों में 10-10 कुत्ते छोड़ देने चाहिए।

भारत में कुत्तों के काटने और रेबीज से जुड़े आंकड़े, अमेरिका समेत इन पांच देशों में क्या नियम?

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में आवारा कुत्तों के लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले की पूरे देश में चर्चा हो रही है। आम आदमी से लेकर सेलिब्रिटी तक, नेताओं से लेकर अभिनेताओं तक, हर कोइ इस फैसले पर चर्चा कर रहा है।

सर्वोच्च न्यायालय ने आवारा कुत्तों के काटने से जुड़े मामलों पर संज्ञान लेते हुए कहा कि देश की राजधानी और इसके आस-पास के मौजूदा शहरों में 6 से 8 हफ्ते के भीतर सभी आवारा कुत्तों को हटाकर शेल्टर्श में भेजने का आदेश दिया है।

दो जजों वाली बैंच में जस्टिस जेबी पादरीवाला और जस्टिस आर महादेवन ने आवारा कुत्तों के कारण होने वाली समस्याओं को गंभीर खतरा बताते हुए कहा कि मासूमों और छोटे बच्चों को किसी भी कीमत पर आवारा कुत्तों के काटने और रेबीज के खतरे से दूर रखना होगा। सुप्रीम कोर्ट का ये आदेश दिल्ली के साथ नोएडा, गाजियाबाद और गुरुग्राम में भी लागू होगा।

कोर्ट के इस आदेश को एक पक्ष अच्छा बता रहा है। वहीं पशु प्रेमी और पशुओं के लिए काम करने वाले संगठनों इसे आवारा कुत्तों के लिए स्थाई समाधान नहीं मान रहे हैं। ऐसे में सवाल ये उठता है कि आखिर इस फैसले को धरातल पर 8 हफ्तों के भीतर कैसे उतारा जाएगा?

ऐसा नहीं है कि आवारा कुत्तों की समस्या केवल भारत में ही, भारत के अलावा दुनियाभर के कई देश रेबीज और आवारा कुत्तों से परेशान हैं। WHO के मुताबिक, रेबीज के कारण भारत में हर साल 18 से 20 हजार मौतें होती है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, भारत में साल 2024 में रेबीज से 54 मौतें दर्ज की गई थीं वहीं साल 2023 में ये आंकड़ा 50 था।

आवारा कुत्तों के लिए क्या है भारत में नियम- भारत सहित दुनिया के अलग-अलग देशों में आवारा जानवरों के लिए नियम बने हुए हैं। भारत में आवारा पशुओं के प्रबंधन के लिए पशु जन्म नियंत्रण, 2023 है। इसके तहत, आवारा कुत्तों की संख्या को नियंत्रित करने के लिए केंद्र से दिशा-निर्देश तय किए हैं।

बिहार में IAS-IPS... बदनाम ना करें, SIR से जुड़ी सिंघवी की दलीलों पर सुप्रीम कोर्ट की बड़ी टिप्पणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में मतदाता सूचियों की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने इस तर्क से असहमति जताई कि चुनाव आयोग की दस्तावेज जांच प्रक्रिया एक मतदाता विरोधी और बहिष्कारकारी कदम है।

याचिकाकर्ताओं की ओर से सीनियर एडवोकेट अभिषेक सिंघवी आज सुबह जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ के सामने बहस कर रहे थे। इस दौरान पीठ ने पाया कि मतदाता सूचियों के संक्षिप्त पुनरीक्षण के दौरान पात्र दस्तावेजों की संख्या सात थी, लेकिन विशेष गहन पुनरीक्षण के लिए इसे बढ़ाकर 11 कर दिया गया।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा- जस्टिस बागची ने कहा, हमें आधार से आपका बहिष्करण संबंधी तर्क समझ आ गया है लेकिन दस्तावेजों की संख्या का मुद्दा वास्तव में मतदाता हितैषी है, उसके खिलाफ नहीं है। उन दस्तावेजों की संख्या पर गौर करें जिनके आधार पर आप नागरिकता साबित कर सकते हैं।

अपने साथी के विचार को दोहराते हुए जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, अगर वे सभी 11 दस्तावेजों को मांगते हैं तो यह मतदाता विरोधी है लेकिन अगर कोई एक दस्तावेज मांगा जाता है तो...

अभिषेक सिंघवी ने क्या तर्क दिया- इस पर सिंघवी ने जोर देकर कहा कि यह जरूरत बहिष्कारक है। उन्होंने कहा, मैं बताता हूं कैसे। यहां एक बहिष्करणीय परीक्षा की मांग की गई है। देखिए क्या मांग की गई है... अगर आपके पास जमीन नहीं है... तो विकल्प 5, 6, 7 खत्म हो गए हैं। विकल्प 1 और 2 मौजूद ही नहीं हैं। निवास प्रमाण पत्र नहीं हैं। पासपोर्ट एक भ्रम है।

न्यायमूर्ति कांत ने हस्तक्षेप करते हुए कहा, बिहार को इस तरह पेश न करें। उन्होंने कहा, अखिल भारतीय सेवाओं के संदर्भ में, अधिकतम प्रतिनिधित्व इसी राज्य से है। सबसे ज्यादा आईएएस, आईपीएस, आईएफएस (अधिकारी) यहीं से हैं। अगर युवा आबादी प्रेरित नहीं होगी तो ऐसा नहीं हो सकता।

बकवास मत करो, हमारे पास है ब्रह्मोस, सिंधु जल समझौते पर शहबाज शरीफ की गीदड़भभकी का ओवैसी ने दिया करारा जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिंधु जल संधि स्थगित होने के बाद पाकिस्तान बौखला चुका है। पाकिस्तान की सरकार से लेकर वहां की सेना तक भारत के खिलाफ जहर उगल रही है। हाल ही में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने कहा था कि दुश्मन (भारत) पाकिस्तान से एक बूंद पानी भी नहीं छीन सकता। शहबाज शरीफ के इस बयान का हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने करारा जवाब दिया है।

ओवैसी ने कहा कि हमारे पास ब्रह्मोस है उन्हें ऐसी बकवास नहीं करनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा, अब बहुत हो गया। भारत पर ऐसी धमकियों का कोई असर नहीं होगा।

इसके अलावा पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच खेले जाने पर ओवैसी ने कहा, मैं क्रिकेट मैच देखने नहीं जा रहा हूं. मेरी अंतरात्मा, मेरा दिल इसकी इजाजत नहीं देता. हमें उस देश के लोगों के साथ क्रिकेट क्यों खेलना है जो हमें हर दिन धमकी दे रहे हैं?

इससे पहले पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने गीदड़भभकी दी थी कि अगर भारत सिंधु जल संधि को स्थगित रखता है और सिंधु नदी पर बांध बनाने की कोशिश करता है तो युद्ध होगा।

पहलगाम हमले के बाद समझौता हुआ स्थगित- बता दें कि 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के एक दिन बाद भारत सरकार ने 1960 से चली आ रही सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया था।

इस संधि के तहत भारतीय क्षेत्र से होकर बहने वाली छह नदियों में से तीन का पानी पाकिस्तान को मिलता है। भारत का कहना है कि जब तक पाकिस्तान भारत के खिलाफ आतंकवादियों को हथियार बनाएगा तब तक ये संधि स्थगित रहेगी।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल पंचमी

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

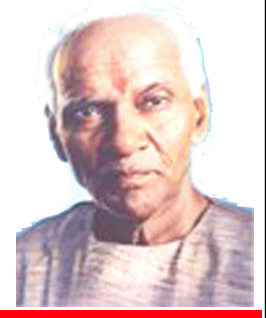

संपादकीय

हर देश वैश्विक वित्तीय मंचों संस्थाओं से अपने देश के लिए धन आवंटित कराने की दिशा में कार्य कर रहे हैं...

देश में विकास की एक आंधी सी चल रही है। हर देश वैश्विक वित्तीय मंचों संस्थाओं से अपने देश के लिए धन आवंटित कराने की दिशा में कार्य कर रहे हैं, ताकि अपने देश को आधुनिकता की दिशा में आगे बढ़ा सकें।भारत ने भी अपना विज़न 2047 रूपी विकसित भारत का विकासपत्र तैयार किया है, जिसमें आगे बढ़ाने की प्लान हमने पूर्ण बजट1फ़रवरी 2025 में भी देखें। परंतु इस बजट में ध्यान देने योग्य बात यह है कि माननीय वित्तमंत्री ने अपने बजट भाषण में देश के विकास पथ में विकास और विरासत दोनों पर सरकार के जोर को रेखांकित किया जो ध्यान देने योग्य बात है। सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए संस्कृति मंत्रालय के लिए बजट में 100 करोड़ रुपये की वृद्धि करते हुए 3360.96 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं. मंत्रालय के भीतर, एक बड़ा हिस्सा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को गया है, जिसे 2024-25 में आवंटित 1273.91 करोड़ रुपये के मुकाबले 1,278.49 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिसे संशोधित कर 1191.99 करोड़ रुपये कर दिया गया था.सरकार कल्चरल डेवलपमेंट तो चाहती है, लेकिन इसने शताब्दी और वर्षगांठ मनाने के लिए कार्यक्रमों के आयोजन में होने वाले बजट में बहुत कमी कर दी है, इन आयोजनों के लिए बजट 2024-25 में 110 करोड़ रुपये से घटाकर 2025-26 में सिर्फ 35 करोड़ रुपये कर दिया गया है। हालांकि, बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती, संविधान दिवस की 75वीं वर्षगांठ और अहिल्या बाई होल्कर की 300 वीं जयंती जैसे प्रमुख समारोह अभी भी सरकार के समर्थन से मनाए जाएंगे अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक सहयोग के लिए निर्धारित धनराशि में तीव्र गिरावट देखी गई है।2024-25 में 10.50 करोड़ रुपये से 2025-26 में 4.65 करोड़ कर दी गई है एएसआई वह एजेंसी है जिसे यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों सहित 3,693 केंद्रीय संरक्षित स्मारकों के संरक्षण, संरक्षण और विकास का कार्य सौंपा गया हैअन्य आवंटनों के अलावा, राष्ट्रीय पुस्तकालयों और अभिलेखागार के लिए 156.55 करोड़ रुपये अलग रखे गए हैं,जो ऐतिहासिक अभिलेखों और दस्तावेजों के रखरखाव को सुनिश्चित करते हैं।राष्ट्रीय संग्रहालय और राष्ट्रीय आधुनिक कला गैलरी जैसे संग्रहालयों को सांस्कृतिक संरक्षण प्रयासों को बढ़ाने के लिए 126.63 करोड़ रुपये प्राप्त होंगे. प्राचीन लिपियों के संरक्षण के लिए एक महत्वपूर्ण बढ़ावा देते हुए, पांडुलिपियों के लिए राष्ट्रीय मिशन को 60 करोड़ रुपये मिलेंगे, जो पिछले वर्षों की तुलना में काफी अधिक है।इस बीच, सांस्कृतिक मानचित्रण पर राष्ट्रीय मिशन के लिए 22.46 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं, जिसका उद्देश्य एक एकीकृत डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के तहत सांस्कृतिक गतिविधियों को समेकित करना है।सरकार संगीत नाटक अकादमी, साहित्य अकादमी, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र जैसे स्वायत्त सांस्कृतिक संस्थानों को महत्वपूर्ण वित्तीय सहायता प्रदान करना जारी रखेगी।इन निकायों को सामूहिक रूप से 411.42 करोड़ रुपये मिलेंगे, इसके अतिरिक्त, विक्टोरिया मेमोरियल और भारतीय संग्रहालय सहित संग्रहालयों को उनके प्रदर्शन और आउटरीच कार्यक्रमों को बढ़ाने के लिए 379.58 करोड़ रुपये दिए गए हैं। हमें भारत की पौराणिक व पारंपरिक संस्कृति विरासत पांडुलिपि धरोहर स्मारकों को सहेज कर रखने के लिए हमारी नई पीढ़ी, युवाओं को जागरूक करने की अत्यंत आवश्यकता है, जिसके लिए सरकार ने भी मेरा गांव मेरी धरोहर, भारतीय संस्कृति व विरासत के बारे में युवाओं में जागरूकता फैलाने व राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन तथा राष्ट्रीय संस्कृति कोष जैसी योजनाएं चल रहा है।

चूंकि आधुनिक विकास की आंधी में भारतीय संस्कृति विरासत पुरातत्व पांडुलिपि को बचाना अत्यंत जरूरी है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, भारतीय विज़न 2047 के पथ में विकास के साथ संस्कृति व विरासत पर जोर देना समय की है, व युवाओं को भारतीय संस्कृति, विरासत, पांडुलिपि कला प्रथाओं धरोहर स्मारक के प्रति जागरूकता फैलाना अत्यंत ज़रूरी है।

केसरी सिंह बारहट

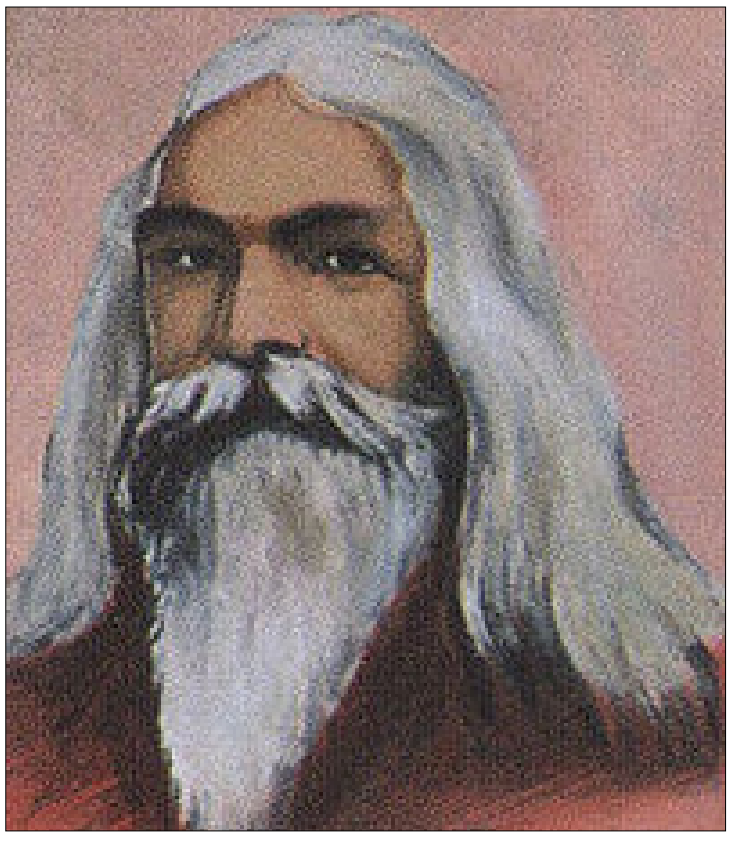

केसरी सिंह बारहट प्रसिद्ध राजस्थानी कवि और स्वतंत्रता सेनानी थे। उन्होंने बांग्ला, मराठी, गुजराती आदि भाषाओं के साथ इतिहास, दर्शन, मनोविज्ञान, खगोलशास्त्र तथा ज्योतिष आदि का अध्ययन कर प्रमाणिक विद्वत्ता हासिल कर ली थी। केसरी जी के भाई जोरावर सिंह बारहट और पुत्र प्रताप सिंह बारहट ने रास बिहारी बोस के साथ लॉर्ड हार्डिंग द्वितीय की सवारी पर बम फेंकने के कार्य में भाग लिया था। केसरी सिंह बारहट ने प्रसिद्ध चेतावनी रा चुंग्ट्या नामक सोरठे रचे थे, जिन्हें पढ़कर मेवाड़ के महाराणा अत्यधिक प्रभावित हुए थे और वे 1903 ई. में लॉर्ड कर्ज़न द्वारा आयोजित दिल्ली दरबार में शामिल नहीं हुए थे।

जन्म- केसरी सिंह बारहट का जन्म 21 नवम्बर, 1872 ई. में देवपुरा रियासत, शाहपुरा, राजस्थान में हुआ था। इनके पिता का नाम कृष्ण सिंह बारहट था। जब केसरी सिंह मात्र एक माह के ही थे, तभी उनकी माता का निधन हो गया। अतः उनका लालन-पालन उनकी दादी माँ ने किया।

शिक्षा- केसरी जी की शिक्षा उदयपुर में हुई। उन्होंने बांग्ला, मराठी, गुजराती आदि भाषाओं के साथ इतिहास, दर्शन, मनोविज्ञान, खगोलशास्त्र तथा ज्योतिष आदि का अध्ययन कर प्रमाणिक विद्वत्ता हासिल कर ली थी। डिंगल-पिंगल भाषा की काव्य-सर्जना तो उनके जन्मजात चारण-संस्कारों में शामिल थी ही। बनारस से गोपीनाथ जी नाम के पंडित को बुलाकर इन्हें संस्कृत की शिक्षा भी दिलवाई गई। केसरी सिंह बारहट के स्वाध्याय के लिए उनके पिता कृष्ण सिंह का प्रसिद्ध पुस्तकालय कृष्ण-वाणी-विलास भी उपलब्ध था।

राजनीतिक गुरु- राजनीति में वे इटली के राष्ट्रपिता मैजिनी को अपना गुरु मानते थे। मैजिनी की जीवनी वीर सावरकर ने लन्दन में पढ़ते समय मराठी में लिखकर गुप्त रूप से लोकमान्य तिलक को भेजी थी, क्योंकि उस समय मैजिनी की जीवनी पुस्तक पर ब्रिटिश साम्राज्य ने पाबन्दी लगा रखी थी। केसरी जी ने इस मराठी पुस्तक का हिन्दी अनुवाद किया था।

भाई तथा पुत्र की शहादत- केसरी सिंह बारहट को जब सुचना मिली कि रास बिहारी बोस भारत में सशस्त्र क्रांति की योजना बना रहे हैं तो राजस्थान में क्रांति का कार्य उन्होंने स्वयं संभाला और अपने भाई जोरावर सिंह, पुत्र प्रताप सिंह और जामाता को रास बिहारी बोस के पास भेजा। केसरी जी के भाई जोरावर सिंह बारहट और पुत्र प्रताप सिंह बारहट ने रास बिहारी बोस के साथ लॉर्ड हार्डिंग द्वितीय की सवारी पर बम फेंकने के कार्य में भाग लिया।

जोरावर सिंह ने रास बिहारी घोष के साथ मिलकर दिल्ली के चांदनी चौक में लॉर्ड हार्डिंग द्वितीय पर बम फेंका, जिसमें हार्डिंग घायल हो गया तथा मृत्यु से बाल-बाल बचा। इस पर महात्मा गाँधी ने उसे बधाई का तार भेजा था। इस हमले में वायसराय तो बच गया, पर उसका ए.डी.सी. मारा गया। जोरावर सिंह पर अंग्रेज़ सरकार ने इनाम घोषित कर दिया, किंतु वे पकड़ में नहीं आये। वे एक संन्यासी की तरह फ़रार रहते हुए ग्राम-ग्राम जाकर धर्म और देशभक्ति का जनजागरण करते रहे। अंग्रेज़ों से छिपने के दौरान ही भारी निमोनिया और इलाज न करा पाने के कारण 1939 में वे कोटा में शहीद हो गए।

केसरी जी के पुत्र प्रताप सिंह बारहट 1917 में बनारस षड्यंत्र अभियोग में पकड़े गए। उन्हें 5 वर्ष के लिए बरेली की केंद्रीय जेल में बंद किया गया। जेल में उन्हें भयानक यातनाएँ तथा प्रलोभन आदि दिये गए। उनसे कहा गया कि यदि वे पूरे कार्य का भेद बता दें तो उनके पिता को जेल से मुक्त कर देंगे, उनकी जागीर लौटा दी जायेगी, उसके चाचा पर से वारंट हटा लिया जायेगा, लेकिन वीर प्रताप ने अपने क्रान्तिकारी साथियों के बारे में कुछ नहीं बताया। उन्होंने मरना स्वीकार कर लिया, पर राष्ट्र के साथ गद्दारी नहीं की। जब उन्हें उनकी माँ की दशा के बारे में बताया गया तो वीर प्रताप ने कहा कि- ÷मेरी माँ रोती है तो रोने दो, मैं अपनी माँ को हंसाने के लिए हज़ारों माताओं को नहीं रुलाना चाहता।÷ अंत में अंग्रेज़ सरकार की अमानुषिक यातनाओं से 27 मई, 1918 को मात्र 22 वर्ष की आयु में प्रताप सिंह शहीद हो गए।

चेतावनी रा चूंग्ट्या की रचना- वर्ष 1903 में लॉर्ड कर्ज़न द्वारा आयोजित दिल्ली दरबार में सभी राजाओं के साथ मेवाड़ के महाराणा का जाना राजस्थान के जागीरदार क्रान्तिकारियों को उचित नहीं लग रहा था। अतः उन्हें रोकने के लिये शेखावाटी के मलसीसर के ठाकुर भूरसिंह ने ठाकुर करण सिंह जोबनेर व राव गोपाल सिंह खरवा के साथ मिलकर महाराणा फ़तेह सिंह को दिल्ली जाने से रोकने की जिम्मेदारी क्रांतिकारी कवि केसरी सिंह बारहट को दी। केसरी सिंह ने ÷चेतावनी रा चुंग्ट्या÷ नामक सोरठे रचे, जिन्हें पढ़कर महाराणा अत्यधिक प्रभावित हुए और दिल्ली दरबार में न जाने का निश्चय किया। वे दिल्ली आने के बावजूद भी समारोह में शामिल नहीं हुए।

स्वतंत्रता प्राप्ति का प्रयास- उन्नीसवीं शताब्दी के प्रथम दशक में ही युवा केसरी सिंह का पक्का विश्वास था कि आज़ादी सशस्त्र क्रांति के माध्यम से ही संभव है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महज़ ज्ञापनों भर से आज़ादी नहीं मिल सकती। चेतावनी रा चुंगटिया उनकी अंग्रेज़ों के विरुद्ध भावना की स्पष्ट अभिव्यक्ति थी। 1910 में उन्होंने आमेर में वीर भारत सभा की स्थापना की थी। सशस्त्र क्रांति की तैयारी के लिए प्रथम विश्वयुद्ध (1914) के प्रारम्भ में ही वे इस कार्य में जुट गए। अपने दो रिवाल्वर क्रांतिकारियों को दिए और कारतूसों का एक पार्सल बनारस के क्रांतिकारियों को भेजा व रियासती और ब्रिटिश सेना के सैनिकों से संपर्क किया। एक गोपनीय रिपोर्ट में अंग्रेज़ सरकार ने कहा कि ÷केसरी सिंह राजपूत रेजिमेंट से संपर्क करना चाह रहा था। उनका संपर्क बंगाल के विप्लव-दल से भी था और वे महर्षि अरविन्द से बहुत पहले 1903 में ही मिल चुके थे।

महान् क्रान्तिकारी रास बिहारी बोस व शचीन्द्र नाथ सान्याल, गदर पार्टी के लाला हरदयाल और दिल्ली के क्रान्तिकारी मास्टर अमीरचंद व अवध बिहारी बोस से घनिष्ठ सम्बन्ध थे। ब्रिटिश सरकार की गुप्तचर रिपोर्टों में राजपूताना में विप्लव फैलाने के लिए केसरी सिंह बारहट व अर्जुन लाल सेठी को ख़ास जिम्मेदार माना गया था।

राजद्रोह का मुक़दमा- केसरी सिंह बारहट पर ब्रिटिश सरकार ने प्यारेलाल नाम के एक साधु की हत्या और अंग्रेज़ हक़ूमत के ख़िलाफ़ बगावत व केन्द्रीय सरकार का तख्ता पलट व ब्रिटिश सैनिकों की स्वामि भक्ति खंडित करने के षड़यंत्र रचने का संगीन आरोप लगाकर मुक़दमा चलाया गया। इसकी जाँच आर्मस्ट्रांग आई.पी.आई.जी., इंदौर को सौंपी गई, जिसने 2 मार्च, 1914 को शाहपुरा पहुँचकर वहाँ के राजा नाहर सिंह के सहयोग से केसरी सिंह को गिरफ़्तार कर लिया। इस मुक़दमे में स्पेशल जज ने केसरी सिंह को 20 वर्ष की सख्त क़ैद की सजा सुनाई और राजस्थान से दूर हज़ारीबाग़ केन्द्रीय जेल, बिहार भेज दिया। जेल में उन्हें पहले चक्की पीसने का कार्य सौपा गया, जहाँ वे दाल व अनाज के दानों से क, ख, ग आदि अक्षर बनाकर अनपढ़ कैदियों को अक्षर-ज्ञान देते और अनाज के दानों से ही जमीन पर भारत का नक्शा बनाकर क़ैदियों को देश के प्रान्तों का ज्ञान भी कराते।

रिहाई- केसरी सिंह बारहट का नाम कितना प्रसिद्ध था, उसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उस समय के श्रेष्ठ नेता लोकमान्य तिलक ने अमृतसर में हुए कांग्रेस अधिवेशन में केसरी सिंह को जेल से छुड़ाने का प्रस्ताव पेश किया था। जेल से छूटने के बाद अप्रैल, 1920 में केसरी सिंह ने राजपूताना के एजेंट गवर्नर-जनरल को एक बहुत सारगर्भित पत्र लिखा, जिसमें राजस्थान और भारत की रियासतों में उत्तरदायी शासन-पद्धति कायम करने के लिए सूत्र रूप से एक योजना पेश की गई थी। इसमें राजस्थान महासभा के गठन का सुझाव था, जिसमें दो सदन रखने का प्रस्ताव था।

राजस्थान केसरी की शुरुआत- सन 1920-1921 में सेठ जमनालाल बजाज द्वारा आमंत्रित करने पर केसरी सिंह जी सपरिवार वर्धा चले गए, जहाँ विजय सिंह पथिक जैसे जनसेवक पहले से ही मौजूद थे। वर्धा में उनके नाम से राजस्थान केसरी नामक साप्ताहिक समाचार पत्र शुरू किया गया, जिसके संपादक विजय सिंह पथिक थे। वर्धा में ही केसरी सिंह का महात्मा गाँधी से घनिष्ठ संपर्क हुआ।

पेट्रोल पंप पर 0 दिखा कर हो रहा बड़ा खेल, क्या जितने का किए पेमेंट उतना मिल रहा फ्यूल

नई दिल्ली (एजेंसी)। यदि आपको लगता है कि पेट्रोल पंप पर ईंधन भरने वाली मशीन पर 0 दिखाने से ईंधन की सही मात्रा की गारंटी मिल जाती है, तो आप गलत हो सकते हैं। भले ही मशीन का डिस्प्ले शुरुआत में शून्य रीडिंग दिखा रहा हो, लेकिन जंप ट्रिक से धोखाधड़ी हो सकती है।

जंप ट्रिक पेट्रोल पंपों पर पेमेंट किए गए अमाउंट से कम फ्यूल निकालने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली टेक्नोलॉजी है। पहले भी कई पेट्रोल पंपों पर इस ट्रिक का इस्तेमाल करने के आरोप लगे हैं। हालाँकि, जंप ट्रिक के बारे में कम लोगों को पता है। ऐसे में जंप ट्रिक कैसे काम करती है यह जानना जरूरी है।

क्या है जंप ट्रिक- यह पेट्रोल पंपों पर ग्राहकों को भुगतान की गई राशि से कम ईंधन देकर ठगने की एक तकनीक है। गौरतलब है कि सभी पेट्रोल पंप इस तकनीक का इस्तेमाल नहीं करते।

यह कैसे काम करता है- पेट्रोल पंप जिस मशीन से निकलता है उसके मीटर धीरे-धीरे बढ़ने के बजाय, ईंधन भरने की शुरुआत में अचानक 0 से 10, 20 या उससे भी ज्यादा पर पहुँच जाता है। इससे ग्राहकों को यह भ्रम हो जाता है कि उन्हें सही मात्रा में ईंधन मिल रहा है।

यह मशीनों से छेड़छाड़ करके किया जाता है। पेट्रोल पंप अपनी मशीनों में हेराफेरी करके बढ़ा-चढ़ाकर रीडिंग दिखाते हैं। इससे ग्राहकों को यह भ्रम हो जाता है कि उन्हें जरूरत से ज्यादा ईंधन मिल रहा है।

मीटर को शुरुआत में 0 से 4-5 रुपये तक ही बढ़ना चाहिए। अगर यह 10, 20 रुपये या उससे ज़्यादा हो जाए, तो इसका मतलब हो सकता है कि मशीन में छेड़छाड़ की गई है।

कैसे बचें इस धोखाधड़ी से- ईंधन भरवाने की शुरुआत से ही मीटर पर नज़र रखें। अगर आपको अचानक कोई बड़ा उछाल दिखाई दे, तो तुरंत ऑपरेटर से पूछताछ करें।

एलन मस्क नहीं, ये हैं दुनिया के सबसे ताकतवर अरबपति कारोबारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया में कई अरबपति हैं। इनमें सबसे अमीर एलन मस्क हैं, जिनकी नेटवर्थ करीब 38.6 लाख करोड़ रु है। मगर दुनिया का सबसे ताकतवर अरबपति कारोबारी कोई और है। हाल ही में फॉर्च्यून ने सबसे ताकतवर कारोबारियों की लिस्ट जारी की। इस लिस्ट में पहले नंबर पर रहे सेमीकंडक्टर चिप बनाने वाली कंपनी Nvidia के को-फाउंडर और सीईओ जेन्सेन हुआंग। क्यों हुआंग को पहले नंबर पर रखा गया, आइए जानते हैं।

एवीडिया के चिप्स की मांग बहुत अधिक- जेन्सेन हुआंग ने चार दशकों में एनवीडिया को गेमर्स के लिए ग्राफिक्स चिप्स बनाने वाली कंपनी से AI बूम में काफी अहम खिलाड़ी बना दिया है। एनवीडिया के चिप्स की मांग लगातार बढ़ी है। बड़ी टेक कंपनियाँ विशाल डेटा सेंटर्स का पोर्टफोलियो बनाने के लिए एक-दूसरे से होड़ लगा रही हैं, जिनमें से प्रत्येक में 1,00,000 या उससे ज़्यादा एनवीडिया के जीपीयू लगे हैं।

मुकेश अंबानी भी कर चुके डील- एनवीडिया भारत के तेजी से बढ़ते एआई बाजार में अपनी मौजूदगी का विस्तार कर रही है और पिछले साल इसने रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाटा कम्युनिकेशन सर्विसेज (टीसीएस) व इंफोसिस जैसी प्रमुख आईटी सेवा कंपनियों के साथ बड़ी साझेदारियों की घोषणा की थी।

दोगुना हो गया पेट्रोल बेचने वाली इस कंपनी का प्रॉफिट, 3 महीने में 6124 करोड़ रुपये की कमाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की दिग्गज ऑयल मार्केटिंग कंपनी BPCL ने FY26 के अपने पहली तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। क्ता में भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन को 6,124 करोड़ रुपये का स्टैंडलोन नेट प्रॉफिट हुआ है। यह वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही के 3,015 करोड़ रुपये के शुद्ध लाभ की तुलना में सालाना आधार पर 103त्न ज्यादा है। कंपनी का ऑपरेशनल रेवेन्यू 1% बढ़कर लगभग 1.3 लाख करोड़ रुपये हो गया। इसके अलावा, नेट प्रॉफिट मार्जिन भी बढ़कर 4.73% हो गया है। बीपीसीएल ने तिमाही नतीजे बाजार बंद होने के बाद जारी किए। इससे पहले कंपनी के शेयर 13 अगस्त को हल्की गिरावट के साथ 322.50 रुपये पर बंद हुए। बीपीसीएल के शेयर सुबह 325 रुपये के स्तर पर खुले और 326.30 रुपये का हाई लगाया।

6 महीने में 26% रिटर्न- भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड के शेयरों ने पिछले 6 महीनों में 26 फीसदी तक रिटर्न डिलीवर किया है, जबकि पिछले 5 सालों में कंपनी के शेयर 56 फीसदी तक चढ़ चुके हैं। इस तिमाही के दौरान रिफ़ाइनरी का उत्पादन पिछली तिमाही के 10.58 एमएमटी से बढ़कर 10.42 एमएमटी हो गया। वहीं, घरेलू बिक्री 13.42 एमएमटी से बढ़कर 13.58 एमएमटी हो गई।

क्या है कंपनी का कारोबार- भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड देश की दिग्गज ऑयल मार्केटिंग कंपनी है, जो कच्चे तेल की रिफाइनिंग और पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स की मार्केटिंग करती है। बीपीसीएल, भारत की सबसे बड़ी तेल और गैस कंपनियों में से एक है। इसके पास देशभर में पेट्रोल पंप का विशाल नेटवर्क है।

मर्सडीज समेत लग्जरी कार बेचने वाली कंपनी के शेयरों में तगड़ा उछाल, डीलरशिप से हुई लैंडमार्क कार्स की बंपर कमाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में दिग्गज कार डीलर, लैंडमार्क कार के शेयरों में 13 अगस्त को तूफानी तेजी आई, और कार डीलरशिप के बिजनेस में काम करने वाली इस कंपनी के स्टॉक 15 फीसदी तक चढ़ गए। लैंडमार्क कार्स ऑटो डीलर ने जून तिमाही के शानदार नतीजे पेश किए। क्ता में लैंडमार्क कार्स ने 8.63 करोड़ रुपये का स्टैंडलोन नेट प्रॉफिट हासिल किया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही के 6.97 करोड़ रुपये से 23.82 प्रतिशत ज्यादा है।

FY26 की पहली तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 11.23 प्रतिशत बढ़कर 141.17 करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले 126.92 करोड़ रुपये था। कंपनी के डीलरशिप नेटवर्क में बेहतर डिमांड के चलते नतीजे अच्छे रहे। कंपनी का ऑपरेटिंग प्रॉफिट पिछले वर्ष की इसी अवधि के 18.53 करोड़ रुपये से बढ़कर 13.92 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 21.11 करोड़ रुपये हो गया। वहीं, ऑपरेटिंग प्रॉफिट मार्जिन भी साल-दर-साल आधार पर बढ़कर पहली तिमाही में 2.47 प्रतिशत पर पहुँच गया है।

क्या है कंपनी का कारोबार- लैंडमार्क कार्स एक कार डीलरशिप कंपनी है जो भारत में प्रीमियम और लक्ज़री व्हीकल्स को सेल करती है। इनमें मर्सिडीज-बेंज, होंडा, जीप, वोक्सवैगन, रेनॉल्ट जैसे ब्रांड शामिल हैं।

खुशखबरी! जोमैटो देगी बच्चों के पालन-पोषण के लिए 26 हफ्तों की छुट्टी, 3 साल में कभी भी लेने का मिलेगा ऑप्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। जोमैटो और ब्लिंकिट की पैरेंट कंपनी इटरनल लिमिटेड ने अपने कर्मचारियों के लिए एक नया पैरेंटिंग लीव स्ट्रक्चर पेश किया है। कंपनी ने बुधवार को कहा कि इसने बच्चे के जन्म के समय मिलने वाले 26 सप्ताह के अवकाश के लिए एक नया फ्रेमवर्क तैयार किया है, जिसके तहत इन छुट्टियों का इस्तेमाल कर्मचारी अब तीन साल में कर पाएंगे और इसमें बच्चे के जन्म से पहले छुट्टी लेने का ऑप्शन भी होगा।

हर किसी को मिलेगा फायदा- इटरनल ने एक बयान जारी कर कहा कि यह पॉलिसी लैंगिक भेदभाव के बिना सभी माता-पिता का सपोर्ट करती है, चाहे वे बच्चे को जन्म दें या न दें ..चाहे वे बच्चे का गोद लें या सरोगेसी का रास्ता चुनें।

इटरनल की वाइस प्रेसिडेंट (एचआर) निहारिका मोहंती के अनुसार यह नई पॉलिसी न केवल आधुनिक 'पैरेन्टिंग' के बारे में हमारी विकसित होती समझ को दर्शाती है, बल्कि एक ऐसा माहौल बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है जहां हर एक शख्स वर्कप्लेस और घर दोनों जगह समर्थित और सशक्त महसूस करे।

पैरेंट्स से किया गया विचार-विमर्श- इटरनल ने कहा कि उसकी इस पॉलिसी में यह बदलाव इटरनल की पैरेंट्स कम्युनिटी के साथ काफी विचार-विमर्श के बाद किया गया है, जिसमें यह बात सामने आई है कि परिवार की जरूरतें जन्म के तुरंत बाद की अवधि से कहीं अधिक होती हैं।

इटरनल के मुताबिक रिसर्च से ये पता चलता है कि करीब 75 प्रतिशत कामकाजी माता-पिता न केवल शुरुआती महीनों में बल्कि अपने बच्चे के तीन साल के होने तक करियर की जिम्मेदारियों और पारिवारिक जीवन के बीच फंसा हुए महसूस करते हैं।

डेढ़ रुपए का स्टॉक खरीदने टूट पड़े निवेशक, Q1 नतीजों में 1400% बढ़ा प्रॉफिट

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता की मिनोल्टा फाइनेंस कंपनी ने जून 2025 की तिमाही में धमाकेदार प्रदर्शन किया। कंपनी की बिक्री पिछले साल की तुलना में 791त्न बढ़कर 2.05 करोड़ रुपए हो गई, जो जून 2024 में सिर्फ 0.23 करोड़ थी।

कंपनी का EBIDTA 16,300% बढ़कर 1.64 करोड़ रुपए रहा। नेट प्रॉफिट भी 1400त्न की छलांग के साथ 15 लाख रुपए तक पहुंच गया, जो पिछले साल एक लाख रुपए था। हालांकि, कंपनी की प्रति शेयर आय 0.02 रुपए पर स्थिर रही।

4.90% उछला शेयर- कंपनी के शानदार प्रदर्शन का असर उसके शेयरों पर भी दिखा। BSE पर बुधवार को स्टॉक 1.50 रुपए के लेवल पर खुला, जिसमें 4.90 प्रतिशत का जबरदस्त उछाल देखने को मिला। हालांकि, कुछ देर बाद में इसमें गिरावट आई। और खबर लिखे जाने तक 1.45 रुपए के आसपास कारोबार कर रहा था।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

कूनो की मादा चीता 'ज्वाला' पहुंची राजस्थान, बकरी का शिकार कर मचाया हड़कंप, टीम ने ट्रेंकुलाइज कर वापस लाया

श्योपुर। कूनो नेशनल पार्क की मादा चीता ज्वाला मंगलवार को एक बार फिर सुर्खियों में आ गई, जब वह मध्य प्रदेश की सीमा पार कर राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले के बालेर गांव में जा पहुंची। यहां उसने एक बाड़े में बकरी का शिकार कर लिया, जिससे ग्रामीण दहशत में आ गए।

सुबह करीब 7 बजे ज्वाला की लोकेशन ट्रैक होने पर कूनो और रणथंभौर नेशनल पार्क की टीम सक्रिय हुई। इस इलाके में बाघों की आवाजाही भी ज्यादा रहती है, जिससे वन विभाग के अधिकारी सुरक्षा को लेकर सतर्क हो गए। चीता के आक्रामक रवैये के चलते स्थानीय टीम रेस्क्यू करने में असफल रही और मदद के लिए कूनो नेशनल पार्क की टीम को बुलाया गया।करीब 10 बजे कूनो की टीम मौके पर पहुंची और सीसीएफ उत्तम कुमार शर्मा की निगरानी में कई घंटों की मशक्कत के बाद ज्वाला को ट्रेंकुलाइज किया गया। इसके बाद उसे विशेष वाहन से कूनो वापस लाने की प्रक्रिया शुरू हुई। अनुमान है कि शाम 6 बजे तक वह अपने नेशनल पार्क पहुंच जाएगी।

पहले भी पवन कर चुका है राजस्थान का सफर

यह दूसरा मौका है जब कूनो का कोई चीता मध्य प्रदेश की सीमा छोड़कर राजस्थान में पहुंचा है। इससे पहले पवन नाम का चीता करौली जिले के सिमार इलाके में पहुंच गया था। उस समय भी टीम ने उसे ट्रेंकुलाइज कर वापस लाया था।

एक महीने से घूम रही है कूनो फैमिली

बताया जा रहा है कि ज्वाला पिछले एक महीने से अपने दो शावकों के साथ कूनो नेशनल पार्क से बाहर के इलाकों में घूम रही है। वह विजयपुर, सबलगढ़ और मुरैना के जोरा तक पहुंच चुकी है। इस दौरान कई बार मानव बस्तियों के पास देखी गई है।

बनेगा 17 हजार वर्ग किमी का चीता कॉरिडोर

चीता प्रोजेक्ट के तहत मध्य प्रदेश और राजस्थान के बीच 17,000 वर्ग किलोमीटर का चीता कॉरिडोर विकसित किया जा रहा है, जिसमें 10,500 वर्ग किमी क्षेत्र एमपी और 6,500 वर्ग किमी राजस्थान का होगा। यह कॉरिडोर कूनो नेशनल पार्क से लेकर मुकंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व और गांधीसागर सेंचुरी तक फैला होगा।

इसमें उत्तर प्रदेश के झांसी और ललितपुर का वन क्षेत्र भी शामिल किया जा सकता है। इससे चीतों को प्राकृतिक रूप से राज्यों के बीच आवाजाही का रास्ता मिलेगा।

भोपाल में क्लोरीन गैस का रिसाव, प्रशासन और रेस्क्यू टीमों ने स्थिति पर पाया काबू

भोपाल। जेके रोड स्थित आदिश फार्मा फैक्ट्री में क्लोरीन गैस का रिसाव हुआ। दोपहर करीब दो बजे की घटना है, सूचना पर पुलिस, नगर निगम, जिलाप्रशासन और एनडीआरएफ-एसडीआरएफ की टीमें तत्काल पहुंचीं।

एक घंटे के भीतर स्थिति पर काबू पा लिया गया है। कोई हताहत की सूचना नहीं है। आसपास के किसी व्यक्ति के हॉस्पिटलाइज होने की जानकारी भी नहीं मिली है।

आदिश फार्मा में क्लोरीन वेस्ट से क्लोरीन टैबलेट बनाई जाती हैं। जानकारी के अनुसार केमकल वेस्ट में आग लग गई थी, बाद में लोगों ने पानी डालकर बुझाया तो गैस फैली। ऑपरेशन खत्म हो चुका है, स्थिति नियंत्रण में हैं।

सुप्रीम कोर्ट 23 सितंबर से प्रतिदिन करेगी ओबीसी आरक्षण मामले की अंतिम सुनवाई

जबलपुर। मध्य प्रदेश लोक सेवा (एससी, एसटी और ओबीसी के लिए आरक्षण) संशोधन अधिनियम, 2019 के तहत 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण की संवैधानिक वैधता के मामले में मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा व न्यायमूर्ति एएस चंदूरकर की युगलपीठ के समक्ष मध्य प्रदेश शासन की ओर से 13 प्रतिशत होल्ड पदों के कारण नई भर्तियों में आ रही परेशानी बताई गई।

साथ ही स्थगन हटाए जाने की मांग की गई। सुप्रीम कोर्ट ने प्रकरण की अंतिम सुनवाई 23 सितंबर से टाप आफ द बोर्ड व्यवस्था अंतर्गत प्रतिदिन किए जाने की महत्वपूर्ण व्यवस्था दे दी।

मध्य प्रदेश शासन की ओर से सालिसिटर जनरल तुषार मेहता, अतिरिक्त सालिसिटर जनरल केएम नटराज और महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने पक्ष रखा। उन्होंने जोर देकर कहा कि हाई कोर्ट द्वारा 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण पर स्थगन के कारण नई भर्तियों में परेशानी हो रही है। लिहाजा, अपेक्षाकृत शीघ्रता से सुनवाई पूरी किए जाने की मांग स्वीकार की जाए।बता दें, अभी केवल 87 प्रतिशत पदों पर भर्ती के लिए चयन सूची जारी होती है। 13 प्रतिशत पदों पर परिणाम ओबीसी आरक्षण 14 रहने या 27 प्रतिशत तय होने की प्रत्याशा में होल्ड कर लिया जाता है। इस बीच, राज्य सरकार ने कहा कि अंतिम सुनवाई तय होने से ओबीसी के व्यापक हित में सरकार के गंभीर प्रयासों को सफलता मिली है। ओबीसी के लिए बहुप्रतीक्षित फैसले की घड़ी नजदीक आ गई है।

कोर्ट ने की तल्ख टिप्पणी-ओबीसी पक्ष की ओर से पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर ने दावा किया कि सुप्रीम कोर्ट में मध्य प्रदेश शासन की जमकर फजीहत हुई। सुप्रीम कोर्ट ने ओबीसी आरक्षण पर लगी रोक हटाए जाने की मांग संबंधी मध्य प्रदेश शासन के अंतरिम आवेदन पर बहस नहीं सुनी। राज्य सरकार को आड़े हाथों लेते हुए तल्ख शब्दों में फटकार लगाई।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वर्षों से नींद में सो रहे हैं, अब स्थगन हटवाने के लिए नींद खुली है। सवाल यह भी उठता है कि आखिर क्यों मध्य प्रदेश शासन ने हाई कोर्ट में निर्णय करवाने के स्थान पर सुप्रीम कोर्ट में प्रकरण ट्रांसफर करवाए गए। ओबीसी वर्ग की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी, अनूप जार्ज चौधरी, रामेश्वर सिंह ठाकुर, वरुण ठाकुर व विनायक प्रसाद शाह ने पक्ष रखा।

पांच साल से उलझा हुआ है ओबीसी आरक्षण का मामला-मध्य प्रदेश में ओबीसी आरक्षण का मुद्दा लंबे समय से चला आ रहा है। कमल नाथ सरकार में ओबीसी आरक्षण 14 से बढ़ाकर 27 प्रतिशत किया गया था लेकिन मार्च 2020 में ही हाई कोर्ट ने इस पर रोक लगा दी। दरअसल, 13 प्रतिशत आरक्षण बढ़ाए जाने से कुल आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत से अधिक हो रही थी।

इसे लेकर मामला अटका हुआ था। महाधिवक्ता के अभिमत पर वर्ष 2021 में ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने की सामान्य प्रशासन विभाग ने अनुमति दी। बाद में हाई कोर्ट जबलपुर ने 87-13 का फार्मूला लागू किया यानी 87 प्रतिशत पदों पर भर्ती के लिए चयन सूची जारी होती है और 13 प्रतिशत पदों के परिणाम होल्ड कर लिए जाते हैं।

बड़ा राजनीतिक मुद्दा रहा है-भाजपा और कांग्रेस, ओबीसी आरक्षण के लाभ को लेकर एक-दूसरे पर आरोप लगाती हैं। मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव से लेकर भाजपा के तमाम नेता कहते हैं कि कांग्रेस केवल दिखावा करती है।

वैष्णो देवी से ग्वालियर लौटते वक्त कारोबारी के मोबाइल की चोरी... 4.50 लाख रुपये की हुई साइबर ठगी

ग्वालियर। वैष्णो देवी से लौटते समय ग्वालियर के एक कारोबारी के साथ बड़ी ठगी का मामला सामने आया है। श्रीशक्ति एक्सप्रेस में सफर के दौरान उनका मोबाइल चोरी हो गया, जिसे चोरों ने तुरंत इस्तेमाल कर उनके बैंक खाते और क्रेडिट कार्ड से करीब 4.50 लाख रुपये निकाल लिए। पीड़ित ने जीआरपी और एसएसपी से शिकायत कर इस मामले की जांच साइबर क्राइम शाखा को सौंपने की मांग की है।

मुरार उपनगर के एमएच चौराहे निवासी भूपेंद्र सिंह ठाकुर की खुद की कलेक्शन कंपनी है और वे एचडीएफसी बैंक की बकाया राशि की वसूली का काम करते हैं। हाल ही में वे दोस्तों के साथ वैष्णो देवी दर्शन के लिए गए थे। रविवार रात, श्रीशक्ति एक्सप्रेस की सेकंड एसी कोच में जम्मू से दिल्ली लौटते समय, सुबह करीब 10 बजे उन्होंने अपना मोबाइल चार्जिंग पर लगाया था। तभी किसी अज्ञात व्यक्ति ने मोबाइल चोरी कर लिया।

मोबाइल न मिलने पर भूपेंद्र सिंह ने सोचा कि दिल्ली पहुंचकर शिकायत करेंगे, लेकिन उनकी आगे की बुकिंग अमृतसर एक्सप्रेस से ग्वालियर की थी, इसलिए वे बिना शिकायत किए वापस लौट आए।

मथुरा स्टेशन के पास आते-आते उनके दूसरे मोबाइल पर लगातार व्हाट्सएप मैसेज आने लगे। इनमें उनके आईसीआईसीआई बैंक खाते और क्रेडिट कार्ड से ट्रांजेक्शन की जानकारी थी। चोरों ने पहले 10 हजार रुपये, फिर 21 हजार रुपये और उसके बाद 1.50 लाख रुपये उनके बैंक खाते से निकाल लिए। इसके अलावा, ICICI क्रेडिट कार्ड से चार ट्रांजेक्शन में 51,650 रुपये, 82,545 रुपये, 15,000 रुपये और 1.20 लाख रुपये खर्च कर दिए। कुल मिलाकर सात ट्रांजेक्शन में 4.50 लाख रुपये का नुकसान हो गया।

पीड़ित ने ग्वालियर पहुंचकर तुरंत जीआरपी थाने में लिखित शिकायत दी और बाद में एसएसपी की जनसुनवाई में पहुंचकर पूरे मामले का ब्योरा दिया। उन्होंने मांग की कि इस केस को जल्द से जल्द साइबर क्राइम शाखा को सौंपा जाए, ताकि अपराधियों का पता लगाया जा सके।

एएसपी कृष्ण लालचंदानी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत दर्ज कर ली गई है। मामले में ट्रांजेक्शन डिटेल और लोकेशन ट्रेसिंग के लिए साइबर टीम की मदद ली जा रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आगामी त्यौहारों और आयोजनों में डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध, पीओपी मूर्तियों के निर्माण व विक्रय संबंधी प्रतिबंध का कराया जायेगा सख्ती से पालन

जिला शांति समिति की बैठक में लिए गए निर्णय

इंदौर। आगामी त्यौहारों और आयोजनों के दौरान इंदौर में डीजे का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा तथा ध्वनि विस्तारक यंत्रों के लिए निर्धारित मानकों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी। दो से अधिक स्पीकर देने वाले संस्थानों के विरुद्ध भी कार्यवाही की जाएगी। साथ ही पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) से बनी मूर्तियों के निर्माण और विक्रय पर लगे प्रतिबंध का कड़ाई से पालन कराया जाएगा।

उक्त निर्णय आज मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिला शांति समिति की बैठक में लिये गये। बैठक में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री अमित सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा, एडीएम श्री रोशन राय सहित संबंधित विभागों के अधिकारी और शांति समिति के सदस्य मौजूद रहे। बैठक में तय किया गया कि सभी त्यौहार इंदौर की गौरवशाली परंपरा के अनुरूप सांप्रदायिक सौहार्द, शांति, एकता और भाईचारे के साथ मनाए जाएंगे। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने इंदौर में पर्यावरण संरक्षण को देखते हुए प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) से बनने वाली और विक्रय होने वाली मूर्तियों पर लगाये गये प्रतिबंध की जानकारी दी। उन्होंने नागरिकों और आयोजकों से अपील की कि वे परम्परागत रूप से मिट्टी से बनने वाली मूर्ति ही स्थापित करें। शांति समिति के सभी सदस्यों ने उक्त प्रतिबंध की सराहना की और निर्णय लिया कि इस प्रतिबंध का सख्ती से पालन कराया जाये। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने कहा कि त्यौहारों के दौरान इंदौर की गौरवशाली परम्परा को कायम रखा जायेगा। उन्होंने कहा कि त्यौहारों के दौरान सभी प्रशासनिक व्यवस्थाएं पहले से सुनिश्चित रहें ताकि किसी को असुविधा न हो।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री अमित सिंह ने बैठक में सुरक्षा प्रबंधों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली गतिविधियों पर कड़ी कार्रवाई की जायेगी। मूर्ति निर्माता केवल पारंपरिक स्वरूप में मूर्तियां बनाएं, धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली मूर्तियां नहीं बनाएं। उन्होंने कहा कि मटकी फोड़ प्रतियोगिता निर्धारित ऊंचाई पर ही हो और पंडाल यातायात बाधित न करने वाले स्थान पर ही लगाए जाएं। नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा ने नगर निगम द्वारा की जाने वाली व्यवस्थाओं की जानकारी दी। बैठक में शांति समिति के सदस्यों ने भी अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिये।

प्लास्टर ऑफ पेरिस मूर्तियों के निर्माण और विक्रय के प्रतिबंध का सख्ती से पालन कराना प्रारंभ

इंदौर। इंदौर जिले में कलेक्टर श्री आशीष सिंह द्वारा पर्यावरण संरक्षण को देखते हुए प्लास्टर ऑफ पेरिस (पी.ओ.पी.) से बनने वाली मूर्तियों के विक्रय और निर्माण पर प्रतिबंध लगाया गया है। इस प्रतिबंध का सख्ती से पालन कराना प्रारंभ कर दिया गया है। प्रतिबंध के बावजूद इनके निर्माण व बिक्री की सूचना पर जिला प्रशासन के अमले ने आज सख्त कार्रवाई की है। मल्हारगंज एसडीएम सुश्री निधि वर्मा के नेतृत्व में बाणगंगा क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए दो मूर्ति निर्माताओं से 130 से अधिक बड़ी गणेश प्रतिमाएं और करीब 700 से अधिक छोटी प्रतिमाएं जप्त की गईं।

एसडीएम सुश्री वर्मा ने बताया कि यह कार्रवाई मुख्य रूप से बाणगंगा क्षेत्र में मूर्ति निर्माता विनोद पिता गुलाबचंद्र के यहां की गई। इसी तरह की कार्रवाई खेमकरण चितले और मनीष प्रजापति के विरूद्ध भी की गई है। इनके गोडाउन सील कर दिये गये हैं। मूर्ति निर्माता विनोद से लगभग 130 बड़ी और 700 छोटी मूर्तियां गोडाउन में सील की गई। शेष मूर्तियां फैक्ट्री में निर्माण कर्ताओं में इस निर्देश के साथ दी गई कि वे इनका विक्रय या किसी को उपयोग के लिये नहीं देंगे।

इसी तरह की कार्रवाई डिस्ट्रीब्यूटर खेमकरण चितले और मूर्ति निर्माता मनीष प्रजापति के यहां भी की गई। मनीष प्रजापति के यहां अधिकांश मूर्तियां मिट्टी की पायी गई। केवल लगभग 10 से 15 मूर्तियां पीओपी की पायी गई। इन्हें विक्रय या किसी को उपयोग के लिये नहीं देने के निर्देश देते हुए कब्जे में दिया गया। इसी के साथ डिस्ट्रीब्यूटर खेमकरण चितले के गोडाउन में लगभग 50 मूर्तियां पीओपी की पायी गई। यह गोडाउन भी सील किया गया।

शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों ने निकाली तिरंगा यात्रा

इंदौर। इंदौर में आज हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता अभियान के तहत शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों ने तिरंगा यात्रा निकाली। इस यात्रा में बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारियों ने भाग लिया। यह यात्रा कलेक्टर ऑफिस से प्रारंभ हुई, जो महू नाका पर समाप्त हुई। रैली को अपर कलेक्टर श्री रोशन राय और डिप्टी कलेक्टर श्री अजीत श्रीवास्तव ने झण्डी दिखाकर रवाना किया। शासकीय अधिकारी कर्मचारी मंच के संयोजक हरीश बोयत, रमेश यादव व प्रवीण यादव ने बताया कि भारत की स्वतंत्रता दिवस के पूर्व सारा देश एक तिरंगे के नीचे एकत्र होकर अपनी एकता और अखंडता के लिए प्रतिबद्ध है। जब-जब तिरंगा लहराता है हर भारतीय के तन-मन में उत्साह और उमंग भर जाता है।

इस स्वतंत्रता दिवस को उत्साह और उमंग के साथ मनाने की प्रेरणा देने के लिए शासकीय अधिकारी-कर्मचारी मंच के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों ने तिरंगा यात्रा इंदौर कलेक्टर ऑफिस से महू नाका तक निकाली।

इंदौर को मिली राष्ट्रीय स्तर पर एक और उपलब्धि

इंदौर। इंदौर जिले को एक और राष्ट्रीय स्तर का गौरव प्राप्त हुआ है। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत गठित स्व-सहायता समूहों के परिसंघ 'मुस्कान' संकुल स्तरीय संगठन को भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित राष्ट्रव्यापी समारोह में 5 वर्ष से कम आयु वर्ग श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान 15 अगस्त 2025 को नई दिल्ली में प्रदान किया जाएगा। इंदौर विकासखंड के 26 ग्रामों की 3768 महिलाओं ने आर्थिक सुदृढ़ता के लिए छोटे-छोटे स्व-सहायता समूह बनाकर कार्य प्रारंभ किया था। इन समूहों के संगठनात्मक प्रयासों ने वृहद रूप लेकर 'मुस्कान' संकुल स्तरीय संगठन का गठन किया, जो अपने अधीनस्थ समूहों को वित्तीय एवं अन्य आवश्यक सहयोग प्रदान करता है। जिला पंचायत सीईओ श्री सिद्धार्थ जैन ने बताया कि वर्ष 2019 में गठित इस संकुल के अंतर्गत विभिन्न ग्रामों में कुल 332 समूह संचालित हैं। इन समूहों की महिलाएं विविध आजीविका गतिविधियों के माध्यम से स्वयं और अपने परिवारों को आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाने हेतु सतत प्रयासरत हैं।

भारत सरकार द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में देशभर के ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित 5 वर्ष से कम अवधि वाले समूहों का मूल्यांकन विभिन्न मापदंडों पर किया गया। इंदौर जिले का 'मुस्कान' संकुल इन मापदंडों पर सर्वोच्च प्रदर्शन कर प्रथम स्थान पर रहा।

दिव्यांग बालिका की राशन संबंधी समस्या का हुआ हाथों-हाथ निराकरण – मिली तुरंत पात्रता पर्ची

इंदौर। जिले में जनहित को प्राथमिकता देते हुए कलेक्टर श्री आशीष सिंह की आज साप्ताहिक जनसुनवाई के दौरान एक बार फिर अपनी संवेदनशीलता और त्वरित निर्णय क्षमता सामने दिखायी दी। कलेक्टर श्री सिंह ने जनसुनवाई में पहुँची एक दिव्यांग बालिका की राशन संबंधी समस्या का हाथों-हाथ निराकरण किया। उसे तुरंत पात्रता पर्ची मिल गई है। अगले महीने से परिवार सहित उसे उचित मूल्य दुकान से राशन मिलने लगेगा।

मल्हार पल्टन निवासी दिव्यांग बालिका यामिनी बी जनसुनवाई में उपस्थित होकर पात्रता पर्ची के लिए आवेदन लेकर आई थीं। उनके परिवार में कुल 6 सदस्य हैं और दिव्यांगता के कारण परिवार को राशन प्राप्त करने में गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। यामिनी बी के पास उस समय आधार कार्ड और दिव्यांगता प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं था, जिसके कारण पात्रता पर्ची की प्रक्रिया सामान्यतः समय ले सकती थी।

समस्याओं का त्वरित समाधान, बढ़ा जनता का विश्वास

इंदौर। इंदौर में प्रति मंगलवार की तरह इस मंगलवार भी कलेक्टर कार्यालय में जनसुनवाई आयोजित हुई। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संवेदनशीलता के साथ उनका निराकरण किया। जनसुनवाई में किसी को शिक्षा से संबंधित सहायता, किसी को रोजगार उपलब्ध कराने और किसी को इलाज हेतु सहयोग प्रदान किया गया। कई प्रकरणों का निराकरण मौके पर ही किया गया। जनसुनवाई में एक जरूरतमंद दिव्यांग छात्रा को उच्च शिक्षा के लिए लैपटॉप स्वीकृत किया गया, युवकों को रोजगार प्राप्त कराने हेतु संबंधित विभाग को निर्देश दिए गए, वहीं गंभीर बीमारी से पीड़ित जरुरतमंदों को तत्काल उपचार के लिए सहायता उपलब्ध कराई गई। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने समस्याओं के निराकरण के लिये संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दूरभाष पर भी प्रदान किए। जिन समस्याओं का समाधान तत्काल संभव नहीं था, उनके निराकरण के लिए समय-सीमा तय की गई। साथ ही प्रकरणों के निराकरण की साप्ताहिक समीक्षा की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है। जनसुनवाई में कलेक्टर श्री आशीष सिंह को एक दिव्यांग आवेदिका द्वारा बताया गया कि वह कॉलेज में द्वितीय वर्ष में पढ़ाई कर रही है और उसे पढ़ाई को सुचारू रूप से करने के लिए लैपटॉप की जरूरत है। कलेक्टर श्री सिंह द्वारा आवेदिका को लैपटॉप की सहायता दी गई। जनसुनवाई में निजी टेक्सटाइल कंपनी के कुछ कर्मचारियों द्वारा शिकायत की गई कि कंपनी उनका बढ़ा हुआ वेतन भुगतान नहीं कर रही है, जो कि बढ़ाने के आदेश थे। इसके निराकरण के लिए कलेक्टर द्वारा संबंधित क्षेत्र के एसडीएम को दूरभाष पर नियमानुसार कार्रवाई कर वेतन दिलाने के लिए निर्देशित किया गया। एक अन्य आवेदक ने बताया कि उसका मकान गिरवी रखा गया था किंतु उसका अब तक भुगतान नहीं किया गया है, कलेक्टर श्री सिंह ने सम्बन्धित क्षेत्र के एसडीएम को इसके निराकरण के निर्देश दिए। कुछ आवेदक पीएम आवास का लाभ नहीं मिलने की शिकायत लेकर आए थे, जिसके निराकरण के लिए कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने उन्हें पीएम आवास 2.0 योजना के तहत पात्रतानुसार लाभ प्रदान करने के निर्देश दिये।

भारत जोड़ो यात्रा एवं भारत जोड़ो न्याय यात्रा संस्मरण किताब का विमोचन 17 अगस्त को होगा

राज्य सभा सांसद दिग्विजय सिंह अतिथि होंगे

इंदौर। नाव बीच मँझधार में फंस जाए तब पतवार हाथ में लेना ही पड़ती है। न रुकेंगे, न झुकेंगे, भारत जोड़ेंगे। ये ट्वीट लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष श्री राहुल गांधी ने अपनी भारत जोड़ो यात्रा में किया था और ये देश की उस समय की देश की दशा और दिशा को बता रहा था कि देश कैसे नेतृत्व के मझधार में है और अब पतवार हाथ में लेने का समय है। 7 सितंबर 2022 को श्री राहुल गांधी ने अपनी महत्वाकांक्षी भारत जोड़ो यात्रा की शुरुआत की थी और कन्याकुमारी से शुरु की गई इस यात्रा ने 3570 किलोमीटर की दूरी तय की थी और 30 जनवरी 2023 को श्रीनगर में इसका समापन हुआ था।

इस यात्रा की याद इसलिए दिलाई है कि इस वर्ष 7 सितंबर को भारत जोड़ो यात्रा तीन वर्ष पूर्ण कर रही है और पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल ने इस भारत जोड़ो यात्रा एवं भारत जोड़ों न्याय की याद को सहेजने का एक उपक्रम किया है और उन्होंने इस यात्रा के संस्मरण, फोटो, न्यूज क्लिपिंग और पटेल परिवार से गांधी परिवार के आत्मीय संबंध के बारे में आलेख लिखकर इस संदर्भ ग्रन्थ को पठनीय बना दिया है। इस ग्रन्थ की संकल्पना पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल ने की है। संकलन और संयोजन विनोद सत्यनारायण पटेल ने किया है। इसका संपादन अनिल त्रिवेदी ने किया है।

जानकारी देते हुए सत्यनारायण पटेल, विनोद पटेल ने बताया कि इस यात्रा संस्मरण ग्रन्थ का विमोचन 17 अगस्त को विद्या सागर स्कूल, बिचौली मर्दाना में सुबह सुबह 12 बजे से होगा। विमोचन समारोह के मुख्य अतिथि राज्य सभा सांसद, मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्री दिग्विजय सिंह होंगे।

जय श्री महाकाल ...

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृगधरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

स्वतंत्रता दिवस समारोह की फाइनल रिहर्सल हुई

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने तैयारियों का किया निरीक्षण

उज्जैन । प्रदेश के अन्य जिलों की भाति जिले में 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह दशहरा मैदान में संपन्न होगा। मुख्य समारोह के कार्यक्रम की फाइनल रिहर्सल की तैयारियों का बुधवार 13 अगस्त को प्रातः कलेक्टर रौशन कुमार सिंह एवं पुलिस अधीक्षक श्री प्रदीप शर्मा ने निरीक्षण किया। स्वतंत्रा दिवस के मुख्य समारोह का आयोजन संपन्न कराने के लिए संबधित अधिकारीयों को आवश्यक दिशा निर्देश दियें। फाइनल रिहर्सल के दौरान परेड की सलामी, परेड निरिक्षण, मार्च फास्ट, परेड कमाण्डरो से परिचय, राष्ट्रीय धुन के साथ हर्ष फायर, राष्ट्रगान , मध्यप्रदेश गान, स्कूली छात्र-छात्राओं के द्वारा पीटी की गई।

फाइलन रिहर्सल के दौरान मुख्य अतिथि की भूमिका कलेक्टर रौशन कुमार सिंह एवं पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा ने निभाई। स्वतंत्रा दिवस समारोह के मिनिट टू मिनिट कार्यक्रम के अनुसार रिहर्सल की गई। इस अवसर पर एडीएम अतेन्द्र सिंह गुर्जर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जिला शिक्षा अधिकारी अधिकारीगण/ कर्मचारी आदि उपस्थित थें। कार्यक्रम का संचालन श्री शेलेन्द्र व्यास स्वामी मुस्कराके एवं श्रीमति पद्मजा रघुवंशी ने किया।

फाइनल रिहर्सल के दौरान परेड कमाण्डर रक्षित निरीक्षक श्री रणजीत सिंह एवं व्दितिय परेड कमाण्डर सुबेदार श्रीमति स्वाति कामले के नेतृत्व में 32वी वाहिनी विशेष सशस्त्र बल, जिला पुलिस बल पुरूष, जिला पुलिस बल महिला, जिला होमगार्ड, 2 एन पी बटालियन एन सी सी भारतीय ज्ञानपीठ स्कूल, दस एमपी बटालियन विजियाराजे गर्ल्स स्कूल, दस एमपी बटालियन एन सी सी दशहरा मैदान, एमपी बटालियन एन सी सी शासकीय उत्कृष्ट उ.मा.वि. माधव नगर, एमपी नेवल एन सी सी, विजियाराजे एन एस एस स्कूल, शोर्य दल, स्काउट गाईड, शासकीय उत्कृष्ट विघालय, एन आर एस दल, 32 वाहिनी बेंड दल थे। साथ ही स्कूली छात्र-छात्राएं, सांस्कृतिक कार्यक्रम के छात्र-छात्राएं आदि उपस्थित थे।

जज्बा ने तोपखाना में वितरित किये तिरंगे झंडे और दुपट्टे

हर घर तिरंगा, देश भक्ति का जज़्बा, आजादी के संघर्ष में सब समाजों के योगदान को याद किया

उज्जैन। सामाजिक सरोकारों के साथ कदम से कदम मिलाते हुए जज़्बा सोशल फाउंडेशन उज्जैन द्वारा तोपखाना क्षेत्र में तिरंगे झंडे और तिरंगे दुपट्टे का वितरण किया गया।

जज़्बा के नईम खान और ज़मीर उल हक़ ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा नेता जगदीश पांचाल, तोपखाना व्यापारी एसोसिएशन के अध्यक्ष फारुख पहलवान, देवास के भाजपा नेता अफजल शेख, ऋषि वर्मा, पवन विश्वकर्मा, पार्षद गजेन्द्र हिरवे और वार्ड 27 के पार्षद प्रतिनिधि अनवर नागौरी थे। जज़्बा के हारून नागौरी और भुरू शेख ने बताया कि श्री पांचाल ने कहा कि जज्बा द्वारा देश हित में इस प्रकार से किए जा रहे काम समाज को सही दिशा देते हैं। फरीद कुरेशी और इरशाद नागौरी ने बताया कि विशेष अतिथि फारुख पहलवान ने कहा कि आजादी की वर्षगांठ पर ये कार्य बहुत प्रासंगिक है। वसीम अब्बास और इमरान खान ने बताया कि इस अवसर पर अफजल शेख ने भी शुभ कामनाएं दी। फ़ैज़ जाफरी और अत हर आलम अंसारी ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता इंजीनियर सरफराज कुरेशी ने करते हुए आजादी के संघर्ष में सब समाजों के योगदान को याद किया। सादिक खान और आरिफ खान ने बताया कि कार्यक्रम में क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिक देवास से जाकिर खान, सलीम देहलवी, मंसूर हुसैन, जाकिर मंसूरी, अब्दुल हाशिम, राजू भाई सहित स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

स्वदेशी जागरण मंच ने जलाया विदेशी कम्पनियों का पुतला

उज्जैन। स्वदेशी जागरण मंच मालवा प्रांत उज्जैन इकाई द्वारा स्वदेशी सुरक्षा एवं स्वावलम्बन अभियान के अंतर्गत विदेशी कम्पनी भारत छोड़ो कार्यक्रम दिनांक 13 अगस्त 2025 को आयोजित किया गया।

प्रांत सह संयोजक दिलीपसिंह चौहान के अनुसार इस कार्यक्रम के अंतर्गत 13 अगस्त बुधवार को संध्या 6.30 बजे स्थानीय टॉवर चौक, उज्जैन पर विदेशी कम्पनियों के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए स्थानीय दुकानदारों से सामान खरीदने, स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग तथा विदेशी कम्पनियों के बहिष्कार हेतु आमजन को संकल्प दिलाया गया व स्वदेशी आदि।

माधव कॉलेज से तिरंगे रंगों के साथ हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता रैली निकाली

उज्जैन । प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासकीय माधव महाविद्याल के विद्यार्थियों ने तिरंगे के रंगों में परिधान धारण कर हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता रैली निकाली गई। गायत्री मंदिर से आयोजित रैली का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. कल्पना वीरेंद्र सिंह ने किया। प्राचार्य ने अपने संबोधन में तिरंगे ध्वज को स्वतंत्रता, एकता और देशभक्ति का प्रतीक बताया। रैली में विद्यार्थी तिरंगे के रंगों में परिधान धारण कर हाथों में तिरंगा लिए रैली में शामिल हुए। रैली गायत्री मंदिर से आरंभ हो कर अंकपात मार्ग से होती हुई पिपली नाका पहुंची ।मानव श्रृंखला बनाकर राष्ट्रप्रेम के संदेश के साथ रैली का समापन हुआ। यह रैली नोडल अधिकारी मेजर डॉ मोहन निमोले संयोजक डॉ. जफर महमूद एवं कीड़ा अधिकारी नवीन कोरट के नेतृत्व में निकाली गई। रैली में डॉ. अल्पना उपाध्याय, डॉ. मंसूर खान, डॉ. केशवमणी शर्मा, डॉ आयशा सिद्दीकी,डॉ. नीरज सारवान, डॉ. अंशु भारद्वाज, प्रो. भावना कुशवाहा, डॉ. मधुबाला अग्रवाल, डॉ. दिनेश जोशी, डॉ. जी.एल. खागोड़े, मोहित पांचाल सहित समस्त स्टाफ, एनसीसी कैडेट्स, एनएसएस के स्वयंसेवक एवं विद्यार्थियों बड़ी संख्या में मौजूद थे।

विहिप दुर्गावाहिनी ने पुलिस अधिकारी, कर्मचारियों को बांधे रक्षासूत्र सेवा, सुरक्षा, संस्कार का संकल्प उपहार में मांगा

उज्जैन। विश्व हिंदू परिषद दुर्गा वाहिनी द्वारा जिला संयोजिका प्रियंकासिंह परमार के नेतृत्व में 13 अगस्त को उज्जैन जिले के सभी थानों में पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों को रक्षासूत्र बांधे। रक्षा सूत्र बांधने के साथ ही विहिप की बहनों ने सदैव बहन बेटियों की रक्षा के लिए तत्पर रहते हुए सेवा, सुरक्षा, संस्कार का संकल्प उपहार में मांगा।

प्रियंकासिंह परमार ने बताया कि विहिप दुर्गा वाहिनी द्वारा एसपी कार्यालय में सर्वप्रथम पुलिस अधीक्षक को रक्षासूत्र बांधे तत्पश्चात एएसपी, सीएसपी सहित जवानों को राखी बांधी। यहां से महिला थाना प्रभारी, महिला थाने में सभी पुलिसकर्मियों को तथा जिले के सभी थानों में रक्षासूत्र बांधकर लव जिहाद, धर्मांतरण जैसे जघन्य अपराधों से हिंदु बहन बेटियों की रक्षा करने का संकल्प लिया। इसके साथ ही विहिप दुर्गा वाहिनी ने सफाई कर्मचारियों, डॉक्टर, कानूनी विशेषज्ञों, आश्रमवासियों, बजरंगदल भाईयों को रक्षासूत्र बांधकर बहन, बेटियों, संस्कृति, धर्म रक्षा का संकल्प लिया। इस अवसर पर प्रांत मंत्री विनोद शर्मा, जिला अध्यक्ष राजेश आंजना, जिला उपाध्यक्ष ब्रज गोठी, जिला संगठन मंत्री मनोहर आंजना, बजरंग दल के जिला सह मंत्री दर्शन परमार, बजरंग दल सह संयोजक लवेश सोनी, मातृशक्ति विभाग संयोजिका लता चौहान, जिला उपाध्यक्ष रितू कपूर, जिला विद्यार्थी प्रमुख अंजु रावल, मातृशक्ति की जिला मुस्कानजी, रचना चौहान, चंदा माली, छाया निगम, चंदा विश्वकर्मा, सुनिता पटीदार, अनुष्का चौरसिया, अनोखी दीदी, वैष्णवी शर्मा, राजनंदिनी सिंह पंवार सहित दुर्गा वाहिनी की सभी प्रखंड की संयोजिका मौजूद रहीं। प्रियंका परमार ने बताया कि आज कलेक्टर कार्यालय में प्रशासनिक अधिकारियों को रक्षासूत्र बांधेंगे।

अन्तरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल की बैठक हुई संपन्न

उज्जैन। अन्तरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल उज्जैन जिला बैठक उज्जैन महानगर विष्णु सागर मंदिर पर संपन्न हुई। इस बैठक में अन्तरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद मालवा प्रान्त संगठन महामंत्री संजय यादव प्रान्त कोषाध्यक्ष मुकेश पाटीदार राष्ट्रीय बजरंग दल उज्जैन जिला अध्यक्ष आकाश माली जिला महामंत्री संतोष पाटीदार . उज्जैन महानगर अध्यक्ष राजू यादव उपाध्यक्ष पप्पू माली कार्यकारिणी अध्यक्ष बबलू माली महामंत्री दीपक बागवान उपाध्यक्ष आशीष माली तहसील अध्यक्ष बहादुर सिंह पटेल झाड़रा तहसील अध्यक्ष संजय पटेल आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे। आगामी कार्यक्रम को लेकर योजनाएं बनाई गई 14 से 20 अगस्त अखंड भारत संकल्प दिवस मनाना है कार्यक्रम का स्वरूप भारत माता आरती मशाल यात्रा की चर्चा हुई 16 अगस्त जन्माष्टमी बच्चे आगे मटकी फोड़ राधा कृष्ण ड्रेस पर्दा गणेश उत्सव बच्चे ही आगे प्रिंट प्रतियोगिता को लेकर योजना बनाई गई संगठन विस्तार हनुमान चालीसा केंद्र को लेकर बैठक में प्रमुख कार्यकर्ताओं को निर्देश हिन्दू युवाओं को जोड़ने को लेकर हिंदू समाज में जागरण कर के वार्ड की रचना समिति बनाने के लिए सभी को संकल्प दिलाया गया उज्जैन महानगर संगठन को गति देने के लिए महत्वपूर्ण दायित्व की घोषणा की गई।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com